दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी | सम्पादकः अमृतपाल सिंह | DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994 वर्ष 31 अंक 114 नई दिल्ली रविवार 26 अप्रैल, 2026 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठः 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

इमारत से गिरने से एक युवक की मौत, 8 घायल

मुंबई, 25 अप्रैल (निस) मुंबई के भांडुप इलाके के जनता मार्केट परिसर में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक युवक की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। यह घटना रात करीब 11.30 बजे मातेश्वरी हॉल के पास, काका पेट्रोल पंप के पीछे स्थित एक निर्माणाधीन इमारत में हुई।

हादसे में पांच की मौत

लखनऊ 25 अप्रैल (निस)उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के दोहरीघाट थाना क्षेत्र में आज तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो और ट्रेलर ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के पति-पत्नी और उनका बेटा शामिल हैं।

युवा शक्ति एवं कौशल से देश एक दिन विश्वगुरु अवश्य बनेगा-मोहन

निरंतर प्रयासों एवं सामूहिक अनुशासन से लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा

नागपुर 25 अप्रैल (निस) राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और इस पर किसी को शक नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे, लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात खड़ा है। ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत ने यह बात नागपुर में एक कार्यक्रम में कही। इस मौके पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी मित्रानंदजी महाराज, साध्वी ऋतंभरा और कथावाचक धीरेन्द्र शास्त्री समेत कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे। भागवत ने कहा कि देश के भविष्य को लेकर कोई शक न रखें और साहस व आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीएं। उनके मुताबिक, अगर लोग अपने संकल्प के मुताबिक कदम-दर-कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत और नैतिक रूप से सशक्त बनेगा ।उन्होंने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा- भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जीएं और इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत होगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बन गया। उसी प्रकार भारत का विश्वगुरु बनना निश्चित है ।उन्होंने कहा कि पिछले 150 सालों में विकसित **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

सीएम मान ने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा, पंजाब के घटनाक्रम पर करेंगे विचार-विमर्श

सात रास सांसदों के इस्तीफे के बाद आप हाईकमान सरगर्म, भाजपा ने लोकतंत्र का गला घोंटने का काम किया-मीतहेयर, जनता देख रही

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (निस)आप के सात रास सांसदों के पाला बदलने के बाद आप हाईकमान सरगर्म हो गया है इसी क्रम में आज पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अपने विधायकों के साथ राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा। वे महामहिम के साथ प्रदेश के ताजा सियासी हालात एवं संविधानिक अधिकारों पर चर्चा करना चाहते हैं व उनको जानकारी देना चाहते हैं।

भाजपा की तानाशाही अधिक देर नहीं चलेगी-मीत हेयर

चंडीगढ़- आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के वरिष्ठ नेता और सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि पिछले 12 वर्षों से भाजपा पूरे देश में लोकतंत्र का गला घोंटने का एक ही मॉडल अपना रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आते ही भाजपा अपनी हार के डर से विपक्षी नेताओं को ईडी और सीबीआई के जरिए डराना शुरू कर देती है या लालच देकर अपनी पार्टी में शामिल कर लेती है। मीत हेयर ने स्पष्ट किया कि पंजाब की धरती सिद्धांतों और संघर्ष की धरती है, यहाँ भाजपा का यह 'वॉशिंग मशीन' मॉडल कभी सफल नहीं होगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सांसद मीत हेयर ने उदाहरण देते हुए कहा कि असम में हेमंत विश्व शर्मा पर कांग्रेस में रहते हुए सीबीआई की छापेमारी हुई, लेकिन भाजपा में शामिल होते ही वे पाक-साफ हो गए। महाराष्ट्र में अजीत पवार पर एक ही रात में 70 मुकदमे दर्ज किए गए और अमित शाह ने उन्हें देश का सबसे भ्रष्ट नेता बताया, लेकिन भाजपा में शामिल होते ही उन्हें डिप्टी सीएम बना दिया गया। उन्होंने कहा कि आज संसद के भीतर भी यही दृश्य है। राहुल गांधी की कभी कोर टीम रहे रवनीत बिट्टू और ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे लोग भाजपा की अगली बेंचों पर बैठे हैं, जबकि भाजपा के पुराने समर्पित कार्यकर्ता पीछे धकेल दिए गए हैं। पंजाब भाजपा का हाल तो यह है कि वहां भाजपा की बैठकों में पुराने भाजपाई कम और कांग्रेसी चेहरे जैसे सुनील जाखड़ और राणा सोढ़ी ज्यादा नजर आते हैं। मीत हेयर ने राघव चड्ढा के व्यवहार पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि जिस पार्टी और अरविंद केजरीवाल ने एक आम युवा को राष्ट्रीय पहचान दी, उसी पार्टी के सबसे मुश्किल समय में राघव चड्ढा का साथ छोड़ देना नैतिकता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि जब केजरीवाल जी, मनीष सिसोदिया जी और संजय सिंह जेल में थे और कार्यकर्ता सड़कों पर लाठियां खा रहे थे, तब राघव चड्ढा विदेश चले गए। इससे यह शंका पैदा होती है कि उनकी भाजपा और अमित शाह के साथ कोई सांठगांठ हुई थी। उन्होंने आगे कहा कि जब अरविंद केजरीवाल जी जेल से बाहर आए और उन्हें कोर्ट ने राहत दी, तब भी राघव चड्ढा ने एक ट्वीट तक नहीं किया, जिससे स्पष्ट है कि वे अब भाजपा के इशारे पर चल रहे हैं। पंजाब में हाल ही में आप नेताओं और राज्यसभा सांसद मित्तल और मंत्री संजीव अरोड़ा के घरों पर हुई छापेमारी को **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

मणिपुर में ताजा हिंसा, तीन लोगों की मौत

इंफाल, 25 अप्रैल (निस) मणिपुर के उखरुल जिले में एक बार फिर जातीय हिंसा की आग भड़क उठी। दो अलग-अलग स्थानों पर हुई भीषण गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की जान चली गई है, जिससे राज्य में व्याप्त तनाव और अधिक गहरा गया है। पिछले काफी समय से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच चल रहे जातीय संघर्ष से जूझ रहे मणिपुर के लिए अब उखरुल में नगा और कुकी समुदायों के बीच पनपा यह नया विवाद चिंता का विषय बन गया है ।पुलिस और स्थानीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार तड़के उखरुल जिले के सीनाकेइथेई गांव के पास तांगखुल नगा और कुकी समुदाय के सशस्त्र समूहों के बीच हिंसक झड़प हुई। इस भीषण गोलीबारी में 29 वर्षीय तांगखुल युवक होरशोकमी जमांग की मौत हो गई, जो कामजोंग जिले के चाट्रिक खुलेन गांव का निवासी था। इस घटना में तीन अन्य नागरिक भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तांगखुल नगा लॉन्ग (टीएनएल) ने आरोप लगाया है कि सोओ समझौते के तहत आने वाले कुकी उग्रवादियों ने नगा विलेज गार्ड्स पर उस समय घात लगाकर हमला किया जब वे गश्त पर थे। यहाँ हुई झड़प में दो कुकी युवकों, लेतलाल सितल्हो (जेम्स कुकी) और पाओमिनलुन हाओलाओ (हितलाल कुकी) की मौत हो गई।

बंगाल में भाजपा की सरकार बनना यकीनी, जनता को पीएम मोदी के कामकाज पर भरोसा-नायब सैनी

चंडीगढ़, 25 अप्रैल (के.के.संधू) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पश्चिमी बंगाल में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक तरफा बीजेपी की सरकार बनेगी। प्रधानमंत्री ने गरीब व जनहितैषी योजनाओं को लागू किया है जिनका लाखों लोगों ने लाभ उठाया है और वे गरीबी रेखा से बाहर हुए हैं ।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शनिवार को चण्डीगढ में आयोजित प्रेस वार्ता में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रदेश के राजा नहीं बल्कि एक किसान के बेटे हैं और उन्होंने स्वयं खेती की है। इसलिए किसानों की समस्याओं से भलीभांति परिचित है। उन्होंने कहा कि वे किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए सदैव तत्परता से लगातार कार्य कर रहे हैं। कांग्रेसी नेताओं द्वारा मंडियों के लगातार दौरों के संबंध में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ऐसा वातावरण खड़ा करने में लगा है जैसे उनके समय में किसान बहुत खुश थे। वो केवल झूठ की दुकान खोलकर आमजन को गुमराह करने में लगे हैं, लेकिन जनता इन्हें अच्छे से समझती है। कांग्रेसी चुनाव के समय पोर्टल बंद करने की बात करते थे लेकिन जनता ने इन्हीं का पोर्टल बंद कर दिया है। वर्ष 2014 से लगातार डबल इंजन की सरकार विकास कार्यों को तेजी से कर रही है ।एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में आप पार्टी ने मतदाताओं को बड़े-बड़े वायदे और सब्जबाग दिखाए थे। इनमें किसानों का कर्जा माफ करना, युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना, पंजाब को नशे से मुक्त करना, महिलाओं को लाभ देने जैसे वायदे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशा बढ़ गया है और युवा नशे की गिरफ्त में हैं। उन्होंने कहा कि चुटकलों से जनता का पेट नहीं भरता, इसके लिए जनकल्याण के कार्य करने पड़ते हैं। हरियाणा में किसानों, महिलाओं, युवाओं के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। पंजाब में भाजपा की सरकार बनते ही हरियाणा में लागू सभी योजनाएं एवं **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

राहुल ने पीएम पर फिर लगाया नफरत फैलाने का आरोप, जनता जवाब देगी

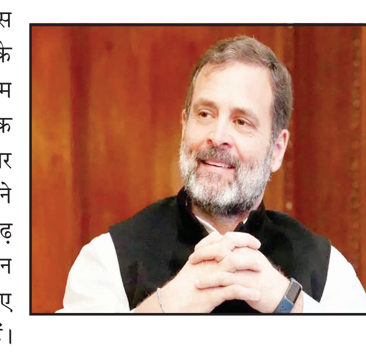

कोलकाता, 25 अप्रैल (निस) कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के हुगली में आयोजित एक रैली के दौरान केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की नीतियां कहीं न कहीं भारतीय जनता पार्टी के लिए राजनीतिक रास्ता आसान कर रही हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन वास्तविक फैसलों के पीछे बाहरी प्रभावों की भूमिका रहती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मोदी भले बड़ी-बड़ी बातें करें पर उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ही कंट्रोल करते हैं। उन्होंने कहा कि आप सब जानते ही हो कि देश में जहां भी मोदी जाते हैं, वो सिर्फ नफरत फैलाते हैं। यहां पर राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण पश्चिम बंगाल का कृषि क्षेत्र और अन्य उद्योग प्रभावित हुए हैं। रैली में बोलते हुए राहुल गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में बंगाल औद्योगिक रूप से मजबूत राज्य था, लेकिन वर्तमान में विकास की गति धीमी हो गई है।

गृहमंत्री का हिंसक बयान लोकतंत्र पर बड़ा हमला जनता को खतरा-ममता

कोलकाता, 25 अप्रैल (निस) पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। चुनावी माहौल में नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर पहुंच गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान पर विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें उन्होंने कथित रूप से कहा था कि दीदी के गुंडों को उल्टा लटकाकर सीधा कर दिया जाएगा। इस टिप्पणी को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने इसे अलोकतांत्रिक और हिंसक भाषा बताया और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की घोषणा की। ममता बनर्जी ने सवाल उठाया कि देश के गृह मंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से इस तरह की भाषा की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

वहीं टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी चुनावी रैलियों ने बंगाल पर्यटन को अनजाने में बढ़ावा दिया है।

वेब सीरीज लारेंस आफ पंजाब नहीं होगी रिलीज, केन्द्र सरकार ने लगाई रोक

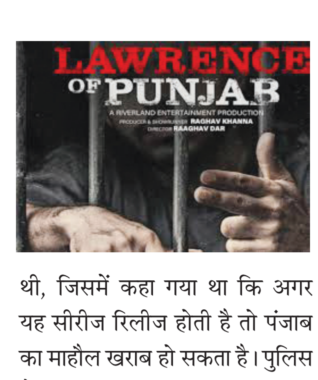

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) विवादित डॉक्यूमेंट्री सीरीज लॉरेंस ऑफ पंजाब को लेकर नई अपटेड सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, भारत सरकार ने विवादित डॉक्यूमेंट्री सीरीज लॉरेंस ऑफ पंजाब की रिलीज पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। यह डॉक्यूमेंट्री सीरीज 27 अप्रैल को ह्ज्ञ्ज्ञ प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के लिए तैयार थी, लेकिन सरकार के इस फैसले के बाद अब यह रिलीज नहीं होगी। मिली जानकारी के अनुसार, पंजाब पुलिस ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर इस सीरीज पर बैन लगाने की मांग की थी, जिसमें कहा गया था कि अगर यह सीरीज रिलीज होती है तो पंजाब का माहौल खराब हो सकता है। पुलिस के साथ-साथ दिवंगत सिंगर सिद्धू मूसेवाला के परिवार ने भी इस डॉक्यूमेंट्री पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया था। इसके अलावा पंजाब कांग्रेस प्रेसिडेंट राजा वड़िंग ने भी इस सीरीज पर बैन लगाने की मांग की थी और इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में एक पिटीशन भी फाइल की गई थी। हाईकोर्ट ने अब राजा वड़िंग की पिटीशन का निपटारा कर दिया है जानकारी वड़िंग के वकील निखिल घई ने दी है। भारत सरकार के इस कदम को सुरक्षा और लोगों की भावनाओं को देखते हुए अहम माना जा रहा है ।उन्होंने इस सीरीज के कंटेंट, इसके प्रोडक्शन प्रोसेस और इसकी रिलीज की टाइमिंग पर सवाल उठाए थे।

गुस्साए आप वर्करों का हरभजन सिंह के आवास पर प्रदर्शन, लिखा-पंजाब का गद्दार

चंडीगढ़, 25 अप्रैल (निस) सीएम भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के बीच जारी राजनीतिक संकट अब सड़क और संस्थानों तक पहुंच गया है। पार्टी छोड़ भाजपा में जाने वाले राज्यसभा सांसदों के खिलाफ पंजाब में पार्टी कार्यकर्ताओं का गुस्सा खुलकर सामने आया, जहां कई जगहों पर गद्दार लिखकर विरोध प्रदर्शन किया गया। जालंधर में पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह के घर के बाहर और लुधियाना में उद्योगपति राजिंदर गुप्ता के आवास पर प्रदर्शनकारियों ने गद्दार लिखा। वहीं फगवाड़ा में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के गेट पर भी इसी तरह के नारे लिखे गए ।पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझाती और रोकती नजर आई इस पूरे घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का समय मांगा है।

अशोक कुमार लाहिड़ी नीति आयोग के बने नए उपाध्यक्ष, प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस): नीति आयोग में नई नेतृत्व टीम की घोषणा के साथ वरिष्ठ अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, जहां देश के विकास एजेंडे और नीतिगत प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई। यहां बताते चलें कि अशोक लाहिड़ी भारत के अनुभवी अर्थशास्त्रियों में गिने जाते हैं। वे पूर्व में मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं और विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) तथा एशियाई विकास बैंक जैसी वैश्विक संस्थाओं में भी कार्य कर चुके हैं। चार दशकों से अधिक के उनके अनुभव को भारत की आर्थिक नीति निर्माण के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नीति आयोग में एक अन्य अहम नियुक्ति के तहत प्रख्यात वैज्ञानिक गोबर्धन दास को सदस्य बनाया गया है। वे आणविक विज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान के विशेषज्ञ हैं और संक्रामक रोगों व कोशिका जीव विज्ञान पर लंबे समय से शोध कर रहे हैं। डॉ. दास वर्तमान में आईआई एसईआर भोपाल के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे येल विश्व विद्यालय, ह्यूस्टन मेथोडिस्ट अस्पताल और दक्षिण अफ्रीका के विश्वविद्यालयों में भी शोध कार्य किया है। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा है। डॉ. दास ने कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई पूरी की और बाद में विज्ञान के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाई। सरकार के अनुसार, नीति आयोग की यह नई टीम आर्थिक विकास, विज्ञान और तकनीकी नवाचार को गति देने में अहम भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' विजन को आगे बढ़ाने में इन नियुक्तियों को महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आयोग के अध्यक्ष के खिलाफ भाजपा नेताओं ने खोला मोर्चा- पूर्व विधायक रेखा यादव को राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चाओं ने भाजपा के भीतर ही असंतोष को हवा दे दी है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुलकर विरोध दर्ज कराना शुरू कर दिया है।

केजरीवाल के लिए खड़ी हुई बड़ी चुनौती

राघव चड्डा एवं संदीप पाठक काफी करीबी थे केजरीवाल के, आखिर चूक कहाँ हो गयी

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (निस) 24 अप्रैल 2026 की तारीख आम आदमी पार्टी के इतिहास में एक बड़े झटके के रूप में दर्ज हो गई है। पार्टी के संसदीय दल में अब तक की सबसे बड़ी सेंधमारी हुई है, जहाँ बागी गुट ने एक-तिहाई सदस्यों के साथ भाजपा में विलय का ऐलान कर दिया। हालांकि, इस टूट में सबसे चौंकाने वाला नाम राज्यसभा सांसद और संगठन महासचिव संदीप पाठक का रहा। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि युवा चेहरा राघव चड्ढा का साथ छोड़ना जितना बड़ा झटका नहीं है, उससे कहीं अधिक नुकसान संदीप पाठक के जाने से हुआ है ।पार्टी के भीतर संदीप पाठक का कद पिछले कुछ वर्षों में असाधारण रूप से बढ़ा था। 2016 में पार्टी से जुड़ने वाले पाठक सार्वजनिक मंचों पर कम दिखते थे, लेकिन संगठन के भीतर वह अरविंद केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद सिपहसालार बन चुके थे। पंजाब विधानसभा चुनाव में आप की प्रचंड जीत के पीछे उन्हें मुख्य रणनीतिकार माना जाता था। उनकी सांगठनिक क्षमता को देखते हुए ही केजरीवाल ने उन्हें न केवल राज्यसभा भेजा, बल्कि राष्ट्रीय संगठन महासचिव जैसा महत्वपूर्ण पद भी सौंपा। यहाँ तक कि जब केजरीवाल जेल में थे, तब उनसे मिलने की अनुमति पाने वाले चुनिंदा लोगों में पाठक शामिल थे। शुक्रवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल, अशोक मित्तल और हरभजन सिंह के साथ संदीप पाठक नजर आए, तो आप खेमे में खलबली मच गई। पार्टी सूत्रों का कहना है कि राघव चड्ढा या स्वाति मालीवाल का जाना काफी हद तक अपेक्षित था, क्योंकि पिछले डेढ़ साल से उनकी सक्रियता कम हो गई थी। हरभजन सिंह और अशोक मित्तल के पाला बदलने को भी पार्टी ने सहजता से लिया, लेकिन संदीप पाठक का जाना आप के लिए एक वैचारिक और रणनीतिक हार की तरह है। संदीप पाठक केवल एक सांसद नहीं, बल्कि आप की पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटी के स्तंभ थे। दिल्ली डायलॉग कमीशन से अपना सफर शुरू करने वाले पाठक ने गुजरात और गोवा में भी पार्टी के विस्तार में अहम भूमिका निभाई थी। जानकारों का मानना है कि पाठक के भाजपा में जाने से आप के भविष्य के चुनावी समीकरणों और सांगठनिक ढांचे को गहरी चोट पहुंची है, जिसकी भरपाई करना फिलहाल केजरीवाल के लिए बड़ी चुनौती होगी।

संदीप पाठक ने अरविंद केजरीवाल से मिलकर बताई थी दिक्कत, फिर भी नहीं बन पाई बात

आम आदमी पार्टी के लिए शुक्रवार का दिन उसके 14 साल के इतिहास का सबसे काला अध्याय साबित हुआ। राज्यसभा में पार्टी के सबसे मुखर चेहरे रहे राघव चड्ढा के नेतृत्व में 7 सांसदों ने एक साथ भारतीय जनता पार्टी **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

रूस-यूक्रेन युद्ध में 10 भारतीयों की मौत

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (निस) रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में भारतीय नागरिकों की भागीदारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गंभीर खुलासे हुए हैं। केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि युद्ध क्षेत्र में रूसी सेना की ओर से लड़ते हुए अब तक 10 भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है ।यह मामला उन 26 भारतीय नागरिकों से जुड़ा है, जिनके परिवारों ने याचिका दाखिल कर आरोप लगाया था कि उन्हें नौकरी का झांसा देकर रूस ले जाया गया और बाद में जबरन युद्ध में धकेल दिया गया। हालांकि सरकार ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि अधिकांश लोगों ने अपनी मर्जी से कॉन्ट्रैक्ट साइन किए थे। सुनवाई के दौरान विदेश मंत्रालय की ओर से बताया गया कि कुछ एजेंटों और बिचौलियों ने इन लोगों को आकर्षक नौकरी के नाम पर गुमराह किया, लेकिन कई मामलों में यह स्वेच्छा से लिया गया निर्णय था। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने जानकारी दी कि एक व्यक्ति पर आपराधिक मामला भी दर्ज है, जबकि एक अन्य अभी भी रूस में रुका हुआ है।

सम्पादकीय

बंगाल में बंपर वोटिंग के मायने

देश के अब तक के संवैधानिक इतिहास में पहली बार किसी राज्य का चुनाव मतदान है जिसमें इतना बंपर तादाद में मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल कर नया रिकार्ड बनाने की पहल की है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। जब लगभग नब्बे प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता केवल दर्शक नहीं रहना चाहती,जनता जागरूक हो चुकी है बल्कि सत्ता के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इस बंपर वोटिंग के मायने क्या है और क्यों तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। इन सबके बीच सबसे पहले, इतने बड़े पैमाने पर मतदान को लोकतंत्र की मजबूती के रूप में देखा जाना चाहिए। अक्सर यह धारणा रही है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है और ग्रामीण इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक, लेकिन इस बार जिस तरह से हर वर्ग महिला, युवा, बुजुर्ग ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वह एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह दर्शाता है कि लोगों में अपने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। खासकर महिलाओं को बड़ी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही हैं। बंगाल में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि यह भी सच है कि मुर्शिदाबाद के नौदा और बीरभूम के खैराशोल जैसे क्षेत्रों में हिंसा और और ईवीएम ईवीएम से से जुड़ी शिकायतों कायतों ने ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। झड़पें, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं यह बताती हैं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भी कई जगहों पर असहिष्णुता में बदल जाती है। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिश्वमेदारी है कि ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई कर भरोसा कायम रखें। नौदा में हुमायूं कबीर द्वारा लगाए गए आरोप और खैराशोल में ईवीएम गड़बड़ी की शिकायतें केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे उस व्यापक चुनौती की ओर इशारा करती हैं, जिसमें निष्पक्षता और पारदर्शिता को लगातार परखा जाता है। लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्वास की एक सतत प्रक्रिया है, जिसे बनाए रखना सभी संस्थाओं की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि इस बार केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की तैनाती ने कई संभावित बड़ी घटनाओं को रोका है। इसी तरह बीरभूम के खैराशोल और अन्य इलाकों में ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बाद जो हिंसक झड़पें हुईं, वे तकनीकी विश्वास के संकट को सामने लाती हैं। जब मतदाता यह महसूस करने लगते हैं कि उनका बोट सही जगह नहीं जा रहा है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। हालांकि इस तरह की शिकायतों की सत्यता की जांच जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनाव आयोग और प्रशासन इस तरह की आशंकाओं को तुरंत और पारदर्शी तरीके से दूर करें। बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसका इतिहास लंबा और जटिल रहा है। 1977 में वाम मोर्चा के सत्ता में आने के बाद से लेकर पंचायत राजनीति तक, सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण की लड़ाई ने कई बार हिंसक रूप लिया। पार्टी सोसाइटी जैसी अवधारणाएं इसी पृष्ठभूमि में जन्मी, जहां राजनीति ने सामाजिक ढांचे को पूरी तरह प्रभावित किया। 1993 की कोलकाता फायरिंग, सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन, और 2011 के बाद के राजनीतिक बदलाव इन सभी घटनाओं ने यह दिखाया कि बंगाल की राजनीति में टकराव एक स्थायी तत्व बन चुका था।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इस दिशा में संकेत करते हैं कि राजनीतिक हत्याओं के मामले में पश्चिम बंगाल लंबे समय से शीर्ष राज्यों में रहा है। हालांकि इन आंकड़ों पर अक्सर बहस होती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे परिदृश्य में 2026 के पहले चरण में अपेक्षाकृत कम हिंसा होना एक सकारात्मक संकेत जरूर है। खासकर यह तथ्य कि अब तक किसी बड़ी जानलेवा भटना की खबर नहीं आई है, राहत देने वाला है। जहां पहले चुनावी हिंसा आम बात होती थी, वहां अच नियंत्रण और सतर्कता दिखाई दे रही है। यह सुधार लोकतांत्रिक संस्थाओं के मजबूत होने का संकेत है। लेकिन छिटपुट झड़पें, बमबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है। मगर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव यह भी दिखाता है कि लोकतंत्र में सुधार धीरे-धीरे ही संभव है। हिंसा में कमी एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पूरी तरह शांतिपूर्ण चुनाव अभी भी एक लक्ष्य है, जिसे हासिल करना बाकी है। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सख्ती और सामाजिक जागरूकता तीनों का समन्वय जरूरी है। हालांकि इन सबके बीच अच्छी बात यह है कि पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा है, 2021 के विधानसभा चुनाव में 83.17 और 2016 विधानसभा चुनाव 82.66 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस बार यह आंकड़ा 92 या 93 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। अब सवाल यह है कि बंपर वोटिंग का फायदा किसे होगा? राजनीतिक विश्लेषकों की राय अक्सर इस मुद्दे पर बंटी रहती है। एक पक्ष का मानना है कि उच्य मतदान प्रतिशत आमतौर पर सत्ता विरोधी लहर का संकेत होता है, यानी लोग बदलाव चाहते हैं और इसलिए बड़ी संख्या में वोट डालने निकलते हैं। यदि इस तर्क को मानें, तो यह भाजपा के पक्ष में जा सकता है, जो खुद को परिवर्तन का विकल्प बताती रही है। वहीं दूसरा पक्ष यह मानता है कि अधिक मतदान का मतलब यह भी हो सकता है कि सत्तारूवु दल के समर्थक अपने आधार को मजबूत करने के लिए मतदान कर रहे हैं।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस यानि ग्रामीण लोकतंत्र की मजबूत नींव

– सुनील कुमार महला

हमारा देश गांवों का देश है और गाँव स्तर पर भारतीय लोकतंत्र को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है। यह दिन इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 24 अप्रैल 1993 को भारत में 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था, जिसके माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि यद्यपि यह संशोधन भारतीय संसद द्वारा वर्ष 1992 में पारित किया गया था, परंतु इसे 24 अप्रैल 1993 से प्रभावी किया गया। यही कारण है कि यह तिथि भारतीय ग्रामीण लोकतंत्र के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। वास्तव में, 73वाँ संविधान संशोधन भारतीय संविधान में किया गया एक ऐतिहासिक, नायाब और दूरदर्शी संशोधन था। कहना ग़लत नहीं होगा कि इस संशोधन ने ग्रामीण स्वशासन की वास्तविक नींव रखी। इस संशोधन के बाद राज्य सरकारों के लिए पंचायती राज व्यवस्था को लागू करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य हो गया। इसके माध्यम से संविधान में भाग-9 जोड़ा गया, जिसमें पंचायतों से संबंधित प्रावधान सम्मिलित किए गए। साथ ही, इसमें 11वीं अनुसूची भी जोड़ी गई, जिसमें पंचायतों को सौंपे जाने वाले 29 विषयों का उल्लेख किया गया।

इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन को मजबूत करना, लोकतंत्र को गाँव-गाँव तक पहुँचाना तथा जनता की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना था। इसके अंतर्गत पूरे देश में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई, जिसमें क्रमशः ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, मध्यवर्ती/ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-ब के अनुसार प्रत्येक राज्य में इन तीन स्तरों पर पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। हालांकि, जिन राज्यों की जनसंख्या 20 लाख से कम है, वहाँ मध्यवर्ती (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत बनाना अनिवार्य नहीं है। पाठक जानते होंगे कि पंचायतों के सदस्यों के चुनाव प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा किए जाते हैं। ग्राम, मध्यवर्ती और जिला स्तर के निर्वाचित सदस्यों का चयन सीधे मतदाताओं द्वारा होता है, जबकि मध्यवर्ती एवं जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव निर्वाचित सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से किया जाता है। पंचायत चुनावों के संचालन हेतु प्रत्येक राज्य में राज्य निर्वाचन आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया। इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-इ के अनुसार प्रत्येक पंचायत का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है, यदि उसे पूर्व में भंग न किया जाए। इससे पंचायतों को स्थायित्व और निरंतरता प्राप्त हुई।इस संशोधन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक सामाजिक न्याय और समावेशिता है। इसके अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) तथा महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया। महिलाओं को पंचायतों में प्रतिनिधित्व मिलने से ग्रामीण नेतृत्व में व्यापक परिवर्तन आया और महिला सशक्तीकरण को नई दिशा व उन्नयन मिला। इतना ही नहीं, पंचायतों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य वित्त आयोग गठित करने का प्रावधान किया गया, जो पंचायतों को वित्तीय संसाधनों के वितरण पर सुझाव देता है।बहुत कम लोग जानते होंगे कि इस संशोधन के तहत अनुच्छेद 243-ह भी जोड़ा गया, जिसके अनुसार पंचायत चुनावों से संबंधित परिसीमन या सीटों के आवंटन को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। चुनाव संबंधी विवादों का निपटारा केवल राज्य विधानमंडल द्वारा निर्धारित प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा। इससे चुनाव प्रक्रिया में अनावश्यक न्यायिक हस्तक्षेप कम हुआ।एक उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि जहाँ विधायक या सांसद बनने के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है, वहीं अनुच्छेद 243-एफ के अंतर्गत पंचायत चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष रखी गई है। इससे युवाओं को कम आयु में नेतृत्व और जनसेवा का अवसर प्राप्त हुआ।

बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि यह अधिनियम कुछ विशेष क्षेत्रों में स्वतः लागू नहीं होता है। इनमें नागालैंड, मेघालय, मिजोरम, अनुसूचित एवं जनजातीय क्षेत्र, मणिपुर के पहाड़ी क्षेत्र, तथा पश्चिम बंगाल का दार्जिलिंग जिला (दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल क्षेत्र) शामिल हैं। हालांकि, यह बात अलग है कि भारतीय संसद आवश्यकतानुसार अपवादों और संशोधनों के साथ इन क्षेत्रों में भी इसके प्रावधान लागू कर सकती है। निष्कर्षतः, यहां यह बात कही जा सकती है कि 73वाँ संविधान संशोधन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र(इंडियन डेमोक्रेसी) को जमीनी स्तर तक सुदृढ़ करने वाला ऐतिहासिक कदम सिद्ध हुआ। इसने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देकर ग्रामीण जनता की भागीदारी सुनिश्चित की, सामाजिक समावेशिता को बढ़ावा दिया तथा गाँवों को अपने विकास के निर्णय लेने का अधिकार प्रदान किया।

सरल शब्दों में यह बात कही जा सकती है कि 73 वें संविधान संशोधन ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत कर ग्रामीण विकास में आम जन की भागीदारी सुनिश्चित की है, जिससे भारत प्रतिनिधिक लोकतंत्र से सहभागी लोकतंत्र की ओर बढ़ा है। निस्संदेह यह संशोधन ग्राम स्वराज, सशक्त ग्रामीण भारत और सहभागी लोकतंत्र की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

भीषण गर्मी का प्रकोपः तपते शहर, राहत की तलाश में आमजन

– कांतिलाल मांडोत

उत्तर भारत से लेकर पश्चिम और मध्य भारत तक इन दिनों गर्मी ने अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। तापमान लगातार नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ रहा है और आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है, हवा में तपिश घुली हुई है और दोपहर का समय तो जैसे आग उगलता प्रतीत होता है। हालात ऐसे हैं कि लोग जरूरी कामों के अलावा घर से बाहर निकलने से बच रहे हैं। जो निकल भी रहे हैं, वे छाता, गमछा या कपड़े से खुद को ढककर ही बाहर कदम रख रहे हैं। बच्चे, बुजुर्ग और मजदूर वर्ग इस भीषण गर्मी की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं। लखनऊ में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। मौसम विभाग के अनुसार यह सामान्य से कई डिग्री अधिक है, जिससे गर्मी की तीव्रता और भी अधिक महसूस हो रही है। स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है ताकि बच्चों को दोपहर की तेज धूप से बचाया जा सके। अब स्कूल सुबह जल्दी शुरू होकर दोपहर 12:30 बजे तक बंद हो जा रहे हैं। इसके बावजूद जब बच्चे स्कूल से घर लौटते हैं, तब तक सूरज अपनी पूरी तपिश के साथ मौजूद रहता है और उन्हें परेशानी झेलनी पड़ती है। कई बच्चे थकान, पसीना और चक्कर जैसी समस्याओं से जूझते दिखाई दे रहे हैं। सिर्फ लखनऊ ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी हालात कुछ ऐसे ही बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक तापमान में कोई खास गिरावट की संभावना नहीं है। प्रदेश के कई इलाकों में लू चलने के आसार हैं, जो लोगों के लिए और भी खतरनाक साबित हो सकती है। गर्म हवाओं के थपेड़े दिन के साथ-साथ रात में भी राहत नहीं दे रहे हैं, जिससे लोगों की नींद और स्वास्थ्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। देश के अन्य हिस्सों में भी गर्मी का यही हाल है। राजस्थान के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर पहुंच चुका है और कुछ जगहों पर यह 45 डिग्री तक जाने की आशंका जताई जा रही है। कोटा जैसे शहरों में पारा 42 डिग्री तक पहुंच चुका है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दिन और रात के तापमान में भारी अंतर भी देखा जा रहा है, जो स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। वहीं, गुजरात में भी गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। अस्पतालों में 'हीट वार्ड' बनाए गए हैं ताकि लू के मरीजों का तुरंत इलाज किया जा सके।

डिहाइड्रेशन के मामलों को देखते हुए ओआरएस कॉर्नर भी स्थापित किए गए हैं, जहां लोगों को मुफ्त में ओआरएस उपलब्ध कराया जा रहा है। यह कदम इस बात का संकेत है कि प्रशासन गर्मी की गंभीरता को समझते हुए पहले से तैयारी कर रहा है। हालांकि देश के कुछ हिस्सों में स्थिति अलग भी है। पूर्वोत्तर भारत में प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं और गुवाहाटी में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। यह स्थिति बताती है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का मिजाज कितना भिन्न हो सकता है—कहीं लोग तपती गर्मी से जूझ रहे हैं तो कहीं बारिश और बाढ़ से।इस भीषण गर्मी का असर सिर्फ दैनिक जीवन पर ही नहीं, बल्कि धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है। काशी विश्वनाथ धाम में गर्मी को देखते हुए भगवान का शीतल पेयों और फलों के रस से अभिषेक किया जा रहा है, ताकि भक्तों को भी कुछ राहत और आध्यात्मिक सुकून मिल सके। यह भारतीय संस्कृति का एक अनूठा पहलू है, जहां प्रकृति की परिस्थितियों के अनुसार परंपराओं में भी बदलाव किया जाता है।गर्मी का यह प्रकोप केवल असुविधा ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन सकता है। लू लगना, डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। खासकर वे लोग जो लंबे समय तक धूप में काम करते हैं—जैसे मजदूर, रिक्शा चालक, डिलीवरी कर्मी—उनके लिए यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण है। बच्चों और बुजुर्गों की स्थिति भी चिंताजनक है क्योंकि उनकी शारीरिक क्षमता इस तरह की गर्मी को सहन करने में कम होती है। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ सावधानियां अपनाकर खुद को इस भीषण गर्मी से बचाएं। सबसे पहली और महत्वपूर्ण बात यह है कि दोपहर 11 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक बाहर निकलने से बचें। यदि बहुत जरूरी हो तो सिर को ढककर ही बाहर निकलें—छाता, टोपी या गमछे का उपयोग करें। शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है, इसलिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। इसके साथ ही नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी और ओआरएस जैसे पेय पदार्थों का सेवन करना फायदेमंद होता है। खान-पान पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। हल्का और सुपाच्य भोजन करें, जिसमें पानी की मात्रा अधिक हो—जैसे फल, सलाद, दही आदि। तली-भुनी और भारी चीजों से परहेज करें क्योंकि ये शरीर में गर्मी बढ़ाती हैं। घर के अंदर भी ठंडक बनाए रखने के लिए खिड़कियों पर पर्दे लगाएं और दिन के समय उन्हें बंद रखें ताकि बाहर की गर्म हवा अंदर न आ सके। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। उन्हें धूप में खेलने या बाहर जाने से रोकें और समय-समय पर पानी पिलाते रहें।

सुरक्षित जीवन की दिशा में मलेरिया मुक्त भविष्य का संकल्प

– सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य मलेरिया जैसी जानलेवा, घातक और व्यापक संक्रामक बीमारी के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाना, इसके रोकथाम के उपायों को प्रोत्साहित करना, समय पर जाँच एवं उपचार की व्यवस्था पर बल देना तथा वैश्विक स्तर पर इसके उन्मूलन के प्रयासों को गति देना है। मलेरिया को आज भी एक सामान्य रोग समझ लिया जाता है, किंतु यह आज भी विश्व की सबसे गंभीर जनस्वास्थ्य समस्याओं में से एक है और हर वर्ष लाखों लोगों की मृत्यु का कारण बनता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि यह वायरस से नहीं बल्कि प्लाज्मोडियम नामक परजीवी से फैलता है, जो संक्रमित मादा एनोफिलीज़ मच्छर के काटने से मनुष्य के शरीर में पहुँचता है।पाठक जानते होंगे कि हर मच्छर मलेरिया नहीं फैलाता।मलेरिया शब्द की यदि हम यहां पर बात करें तो यह शब्द इतालवी(इटली) भाषा के माला एरिया से बना है, जिसका अर्थ खराब हवा होता है, क्योंकि प्राचीन काल में लोग मानते थे कि यह बीमारी गंदी या दूषित हवा से फैलती है, जबकि बाद में विज्ञान ने सिद्ध किया कि इसका वास्तविक कारण मच्छर हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि मलेरिया कोई नया नहीं बल्कि, यह एक अत्यंत प्राचीन रोग है, जिसका उल्लेख प्राचीन मिस्र, भारत तथा चीन के प्राचीन ग्रंथों में भी मिलता है। संक्रमित मच्छर के काटने पर प्लाज्मोडियम परजीवी रक्त में प्रवेश कर लाल रक्त कोशिकाओं में बहुगुणित होने लगता है, जिससे रक्तहीनता (एनीमिया), कमजोरी और अन्य जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं। बहरहाल, इसके प्रमुख लक्षणों की यदि हम यहां पर बात करें तो इसके प्रमुख लक्षणों में क्रमशः तेज बुखार, ठंड लगना, कंपकंपी, सिरदर्द, मतली, उल्टी, अत्यधिक पसीना आना, चक्कर आना, साँस फूलना, तेज नाड़ी, थकान, कमजोरी तथा जुकाम जैसी अनुभूति शामिल हैं। गंभीर अवस्था में रोगी मूर्च्छा तक में जा सकता है और व्यक्ति की मृत्यु तक भी हो सकती है। कुछ लोगों में इसके लक्षण देर से प्रकट होते हैं, किंतु छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा वाले व्यक्तियों में यह शीघ्र और अधिक घातक रूप ले सकता है। रोगी के ठीक होने के बाद भी यह रोग पुनः हो सकता है। वर्षा ऋतु में या वर्षा के बाद जब घरों, गलियों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता है, तब मच्छरों का प्रजनन तेजी से होता है और संक्रमण का प्रसार बढ़ जाता है। यही कारण है कि स्वच्छता और जलभराव रोकना मलेरिया नियंत्रण का अत्यंत महत्त्वपूर्ण उपाय माना जाता है। यह रोग मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया, अमेरिका तथा अन्य उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ की जलवायु मच्छरों के पनपने के लिए अनुकूल होती है। मलेरिया गरीब क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है, क्योंकि वहाँ स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, सुरक्षित आवास और रोकथाम के संसाधनों की कमी होती है। बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के 60वें सत्र में इसे मनाने का निर्णय लिया गया था और पहला आधिकारिक विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल 2008 को मनाया गया था।हर साल इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 की थीम-मलेरिया का अंत हमसे होगा- पुनर्निवेश करें, नए तरीके सोचें और प्रयासों को फिर से प्रज्वलित करें। रखी गई थी ,जिसका मतलब है कि मलेरिया का अंत हमारे अपने प्रयासों से ही संभव है। सरल शब्दों में कहें तो मलेरिया नियंत्रण और अनुसंधान में फिर से अधिक संसाधन, धन और ध्यान लगाना होगा,इस पर नियंत्रण के लिए हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ नए, प्रभावी और आधुनिक उपाय अपनाने होंगे तथा मलेरिया उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों में नई ऊर्जा और उत्साह पैदा करना होगा। वहीं इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इसकी थीम-मलेरिया समाप्त करने के लिए प्रेरित- अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा। रखी गई है। वास्तव में इसका सीधा सा संदेश यह है कि अवसर और साधन मौजूद हैं, इसलिए अब देरी नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का समय है।

हाल फिलहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो वैश्विक स्तर पर मलेरिया के मामले लगभग 28.2 करोड़ तक पहुँच चुके हैं और लगभग 6.10 लाख लोगों की मृत्यु हुई है, जिनमें अधिकांश पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चे हैं। पूर्व की विश्व मलेरिया रिपोर्टों में यह तथ्य भी सामने आया कि कुछ वर्षों में हर 50 सेकंड में एक व्यक्ति की मृत्यु मलेरिया के कारण हो रही थी। वर्ष 2020 में विश्व स्तर पर 6,27,000 लोगों की मृत्यु मलेरिया के कारण दर्ज की गई थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थी।इन सभी के बीच राहत की बात यह है कि दुनिया के 47 देश मलेरिया मुक्त घोषित किए जा चुके हैं और चीन को भी मलेरिया मुक्त देश का दर्जा प्राप्त हुआ है। वहीं पर, भारत की स्थिति पिछले वर्षों में उत्साहजनक रही है। देश ने एक दशक में मलेरिया मामलों में लगभग 80 प्रतिशत कमी दर्ज की है,यह काबिले-तारीफ है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत सरकार ने 2027 तक मलेरिया मुक्त भारत और 2030 तक पूर्ण उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। अतीत में ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्य मलेरिया से अधिक प्रभावित रहे, विशेषकर दूरस्थ ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में भारत की लगभग एक चौथाई आबादी मलेरिया से प्रभावित बताई जाती है। 1935 के एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत को मलेरिया के कारण प्रतिवर्ष भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। 1953 में राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम आरंभ किया, जो अत्यंत सफल रहा, और 1958 में राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। निरंतर सरकारी प्रयासों, चिकित्सा सेवाओं, दवाओं और जागरूकता अभियानों से रोगियों की संख्या में भारी कमी आई, किंतु पूर्ण सफलता शेष है।

दिल्ली में तेज रफ्तार का कहर, कार ने बाइक को मारी टक्कर और छिन गया परिवार का सहारा

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) विकास मार्ग पर देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज जीटीबी अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान नीरज के रूप में हुई है। वह मंगलवार रात अपनी मोटरसाइकिल से परिवार के साथ इंडिया गेट घूमने गए थे। देर रात वापस लौटते समय लक्ष्मी नगर के पास पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक दूर जाकर गिरी और नीरज गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने नीरज को मृत घोषित कर दिया। वहीं उनकी पत्नी सोनम, बेटा हर्षित और बेटी महिमा की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज जीटीबी अस्पताल में जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपित कार चालक की तलाश में जुटी है।

कैब चालक का अपहरण कर गाड़ी लूटने वाला भगोड़ा दबोचा गया

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) कैब चालक का अपहरण कर लूटपाट के मामले में 16 साल से फरार भगोड़े बदमाश को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। उस पर दिल्ली पुलिस ने 20 हजार का इनाम घोषित किया हुआ था। उसकी पहचान प्रतापगढ़ के बिरकेश उर्फ विर्केश उर्फ विक्की के रूप में हुई है। वारदात में शामिल उसके एक साथी को पुलिस ने पहले ही दबोच लिया था, लेकिन बिरकेश लगातार लोकेशन बदलकर गिरफ्तारी से बच रहा था। आखिरकार उसे चंडीगढ़ से पकड़ा गया, जहां वह एजेंसी में गैस सिलिंडर सप्लाई का काम कर रहा था। उपायुक्त संजीव कुमार यादव के मुताबिक, छह फरवरी 2012 को कैब चालक सुनील कुमार की शिकायत पर थाना द्वारका साउथ में केस दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि दो बदमाशों ने ड्यूटी के दौरान उसे रोका, उससे नकदी व मोबाइल फोन लूटा और उसका अपहरण कर लिया। उसके बाद उसे चलती गाड़ी से फेंककर गाड़ी लूटकर फरार हो गए थे। जांच में एक बदमाश को पकड़ लिया गया, लेकिन मुख्य आरोपित बिरकेश वर्षों तक पुलिस को चकमा देता रहा। कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया। दिल्ली पुलिस आयुक्त ने शुरू में उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 20 हजार कर दिया गया।

प्रीत विहार में पार्किंग के विवाद में हुई हत्या का पांचवां आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार इलाके में पार्किंग विवाद में कारोबारी पंकज नय्यर की हत्या में पुलिस ने पांचवें आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान आरुष (18) के रूप में हुई है। हत्या के मुख्य आरोपी गौरव शर्मा का यह दूसरा सौतेला बेटा है। पंकज अपने परिवार के साथ नोएडा में रहते थे। कपड़े का कारोबार था। इनके भाई पारस प्रीत विहार में रहते हैं। पारस का अपने पड़ोसी गौरव शर्मा से कार पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था। वारदात वाले दिन विवाद इतना बढ़ गया था कि पारस ने फोन करके अपने भाई पंकज को बुलाया था। गौरव ने अपने दो सौतेले बेटों व दो दोस्तों के साथ मिलकर पंकज को गोली मार दी थी, जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं, पुलिस की जांच में सामने आया है कि बीते रविवार देर रात हुआ विवाद करीब 12 दिन पूर्व शुरू हुआ था, जब आरोपी गौरव ने पारस को देख लेने की धमकी दी थी। यही कारण है कि पारस की सूचना पर पंकज तुरंत नोएडा से प्रीत विहार पहुंच गए। स्थानीय निवासी दीपक के अनुसार, आरोपी गौरव अपने पैसे और कारों का रौब झाड़ता था। लगभग चार माह पहले ही वह किराए पर यहां रहने आया था। फ्लैट के साथ उसे एक पार्किंग एलॉट थी, जबकि उसके पास तीन कारें हैं। ऐसे में अक्सर पार्किंग को लेकर उसका विवाद होता रहता था।

दिल्ली पुलिस में बिना ड्राइविंग लाइसेंस पुरुष नहीं बन सकते सब इंस्पेक्टर

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस में सब-इंस्पेक्टर (एसआई) के तौर पर भर्ती चाहने वाले पुरुष उम्मीदवारों के लिए वैध लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) ड्राइविंग लाइसेंस रखने की शर्त को सही ठहराया है। साथ ही यह भी निर्णय दिया कि महिला उम्मीदवारों के लिए ऐसी कोई शर्त न होना भेदभाव नहीं माना जाएगा। उक्त निर्णय के साथ ही न्यायमूर्ति वी. कामेश्वर राव व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने दिल्ली पुलिस में एसआई भर्ती के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की अधिसूचना में दी गई भर्ती की शर्त को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। हालांकि, अदालत ने कहा कि पात्रता शर्तों में यह अंतर भर्ती को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढांचे से ही आया है। पीठ ने कहा कि एसआई से संबंधित दिल्ली पुलिस (नियुक्ति और भर्ती) नियमों का नियम-सात के तहत उम्मीदवारों के पास शारीरिक सहनशक्ति और माप परीक्षणों के लिए तय तारीख को एमएमवी के लिए एक वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए।

दिल्ली में डायबिटीज के मरीजों और अस्पतालों को चेतावनी

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) गुरुग्राम में नकली 'माउनजारो' इंजेक्शन के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में भी हड़कंप मच गया है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि इन इंजेक्शनों की सप्लाई दिल्ली के थोक दवा बाजार से जुड़ी हो सकती है। इसे लेकर दिल्ली औषधि नियंत्रण विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। विभाग ने मरीजों और अस्पतालों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए ड्रग निरीक्षकों को थोक बाजारों और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। नकली इंजेक्शनों के दिल्ली कनेक्शन की पड़ताल के लिए विभाग ने संदिग्ध आपूर्तिकर्ताओं की पहचान व खोज अभियान शुरू कर दिया है। साथ ही थोक विक्रेताओं को अपने स्टॉक का मिलान अधिकृत कंपनी के बिल (जीएसटी बिल) से करने को कहा गया है, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी तुरंत पकड़ में आ सके।

देवटिकरा में समूह जलप्रदाय योजना का अवलोकन कर निर्माण कार्य में तेजी लाने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अम्बिकापुर 25 अप्रैल (निस) राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु चलाए जा रहे 'ज्ञानभारतम' राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान को अब तेज गति देने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव विकासशील ने स्पष्ट कहा कि यह अभियान केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा को संरक्षित करने का ऐतिहासिक प्रयास है। उन्होंने सभी जिलों को निर्देशित किया कि सर्वेक्षण कार्य 31 मई तक हर स्थिति में पूर्ण किया जाए। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जु? और अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने पांडुलिपियों की पहचान, दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया। साथ ही प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय समिति गठन, नोडल अधिकारी की नियुक्ति तथा सर्वेक्षण दलों के समुचित प्रशिक्षण को अनिवार्य बताया।

उन्होंने निर्देश दिए कि शासकीय संस्थानों के साथ-साथ मंदिरों, मठों, पुस्तकालयों, महाविद्यालयों और निजी संस्थानों में संरक्षित पांडुलिपियों का सक्रियता से सर्वेक्षण किया जाए। परंपरागत समुदायों और पुरातात्विक महत्व के क्षेत्रों को विशेष रूप से चिन्हित कर वहां छिपी ज्ञान-संपदा को सामने लाने पर भी जोर दिया गया। जनभागीदारी को अभियान की सफलता का प्रमुख आधार बताते हुए पांडुलिपि ट्रेजर हंट जैसे नवाचारों को लागू करने का सुझाव दिया गया, जिससे आम नागरिक भी इस सांस्कृतिक मिशन से जु? सकें। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय पत्रकारों, साहित्यकारों, इतिहासकारों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की भी बात कही गई। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि सर्वेक्षण के दौरान पांडुलिपियों के स्वामित्व अधिकारों का पूर्ण सम्मान किया जाएगा। बिना अनुमति किसी भी पांडुलिपि का स्थानांतरण नहीं किया जाएगा और सभी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बनाए रखी जाएगी। इस अवसर पर पर्यटन, संस्कृति एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य और महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह सर्वेक्षण न केवल पांडुलिपियों के संरक्षण में सहायक होगा, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करेगा। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि शोधकर्ताओं के सहयोग से दूरस्थ अंचलों से महत्वपूर्ण पांडुलिपियों की जानकारी एकत्र की जा सकती है, जिससे अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. फरिहा आलम सिद्दीकी, संचालक संस्कृति विवेक आचार्य सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे इस दौरान ज्ञानभारतम जिला स्तरीय समिति सरगुजा के अध्यक्ष कलेक्टर अजीत वसंत एवं जिला स्तरीय नोडल जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल एवं समिति के अन्य सदस्य भी वीसी में जु?।

ओवरटेक विवाद ने लिया हिंसक रूप: भाजपा नेता सहित 3 पर मारपीट का आरोप, पीड़ित ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल

बिलासपुर 25 अप्रैल (निस) सीपत थाना क्षेत्र में ओवरटेक को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। पीड़ित ने भाजपा से जुड़े एक स्थानीय नेता समेत तीन लोगों पर मारपीट, धमकी और मोबाइल तोडने् का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। जिले के सीपत थाना क्षेत्र में सड? पर ओवरटेक को लेकर शुरू हुआ विवाद गंभीर मारपीट में बदल गया। पीड़ित शिवाजी पाटनवार ने आरोप लगाया है कि 22 अप्रैल की सुबह करीब 10 बजे वे अपनी बाइक से बिटकुला से बिलासपुर की ओर जा रहे थे, तभी एक कार चालक ने लापरवाहीपूर्वक ओवरटेक करते हुए उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। पीड़ित के मुताबिक, जब उन्होंने इसका विरोध किया तो कार चालक तामेश्वर कौशिक, जो खुद को भाजपा का जिला संयोजक बताते हैं, अपने बेटे राजेश कौशिक और एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर उन्हें रोक लिया। इसके बाद तीनों ने उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने उनकी गाड़ी जलाने और जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के दौरान जब शिवाजी पाटनवार ने अपने मोबाइल से वीडियो बनाने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उनका मोबाइल छीनकर जमीन पर पटक दिया, जिससे वह टूट गया। पीड़ित किसी तरह मौके से निकलकर सीपत थाने पहुंचे, लेकिन उनका आरोप है कि पुलिस ने उनकी शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं की। उल्टा, कार चालक की ओर से उन पर ही झूठा आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज कर ली गई। पीड़ित का कहना है कि उनके आवेदन को हस्तक्षेप योग्य नहीं बताते हुए उन्हें न्यायालय जाने की सलाह दी गई, जिससे वे खुद को न्याय से वंचित महसूस कर रहे हैं। शिवाजी पाटनवार ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

(बिलासपुर) 2 हजार सीमांकन लंबित- कलेक्टर सख्त—अब नहीं चलेगी ढिलाई

बिलासपुर (ईएमएस)। जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में बिलासपुर अनुविभाग और बेलतरा तहसील के राजस्व अधिकारियों की समीक्षा करते हुए सीमांकन और बटांकन के लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए। बैठक में साफ संदेश दिया गया कि अब किसी भी स्तर पर देरी स्वीकार नहीं होगी।

ऑफलाइन से ऑनलाइन- तेजी का निर्देश

समीक्षा के दौरान सामने आया कि कई प्रकरण अब भी ऑफलाइन लंबित हैं। कलेक्टर ने इन्हें तत्काल ऑनलाइन दर्ज कर नियमानुसार बटांकन और सीमांकन की प्रक्रिया पूरी करने को कहा। उनका फोकस स्पष्ट रहा—प्रक्रिया को व्यवस्थित कर तेजी से निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

सीवर लाइन विस्तार कार्य प्रारंभ होने से यातायात व्यवस्था में रहेगा अस्थायी परिवर्तन

कटनी 25 अप्रैल (निस) शहर में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा 24 अप्रैल 2026 से सागर पुलिया से डन कॉलोनी मोड़ तक तथा कटनी साउथ स्टेशन रोड पर लक्ष्मी पान भंडार से रंगनाथ मंदिर तक सीवर लाइन विस्तार का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। नगर निगम के कार्यपालन यंत्री श्री सुधीर मिश्रा ने बताया कि इस कार्य के दौरान संबंधित मार्गों पर यातायात व्यवस्था में आंशिक परिवर्तन किया जाएगा। सागर पुलिया से डन कॉलोनी मोड़ तक कुछ हिस्सों में वन-वे यातायात संचालित रहेगा, वहीं कटनी साउथ स्टेशन जाने वाले मार्ग पर लक्ष्मी पान भंडार से एम्बुलेंस रोड तक यातायात पूर्णतः बाधित रहेगा। नागरिकों की सुविधा हेतु वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। कटनी साउथ स्टेशन जाने वाले यात्री माधव नगर गेट से लखेरा होते हुए एम्बुलेंस रोड के माध्यम से रंगनाथ मंदिर की ओर जाने वाला मार्ग अथवा बाबा घाट से मंगल नगर होते हुए स्टेशन जाने वाले मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि कार्य को सुचारू एवं समयबद्ध पूर्ण होने में सहयोग प्रदान करें तथा निर्धारित यातायात व्यवस्था का पालन करते हुए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

सार्वजनिक मार्गों से हटाए गए अनधिकृत बैनर-पोस्टर

नगर के सौंदर्यीकरण एवं आमजन को सुगम और सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर निगम की अतिक्रमण टीम द्वारा अभियान चलाकर विभिन्न सार्वजनिक स्थलों एवं प्रमुख मार्गों पर लगाए गए अनधिकृत बैनर, पोस्टर और होर्डिंग्स को हटाने की कार्रवाई की गई। अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह ने बताया कि यह अभियान शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों मिशन चौक से दुगा?ी नाला, सुभाष चौक से मुख्य स्टेशन पहुंच मार्ग, मिशन चौक से बस स्टैंड तक सुनियोजित रूप से संचालित किया गया। कार्रवाई के दौरान निगम के अतिक्रमण अमले ने सड़कों के किनारे, चौराहों, बिजली खंभों एवं सार्वजनिक संपत्तियों पर बिना अनुमति लगाए गए प्रचार सामग्री को हटाया। इससे न केवल शहर की सौंदर्य छवि में सुधार हुआ है, बल्कि यातायात में आने वाली बाधाओं को भी कम करने में मदद मिली है। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थलों पर बिना अनुमति किसी भी प्रकार के बैनर-पोस्टर लगाना नियमों के विरुद्ध है। भविष्य में इस प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। निगम प्रशासन द्वारा शहरवासियों से अपील की है कि वे शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग करें तथा निर्धारित नियमों का पालन करते हुए ही प्रचार-प्रसार सामग्री का उपयोग करें। नागरिकों की सहभागिता से ही एक स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आकर्षक शहर का निर्माण संभव है।

जिले के जलभराव प्रभावित ग्रामों में हैंडपंप प्लेटफॉर्म ऊंचे करने का विशेष अभियान शुरू हैंडपंपों में गंदा पानी जाने से रोकने के लिये की गई है यह पहल

ग्वालियर 25 अप्रैल (निस) बरसात के दौरान पेयजल स्त्रोतों को दूषित होने से बचाने और जलजनित बीमारियों की आशंका रोकने के लिए ग्वालियर जिले में जलभराव प्रभावित ग्रामों के हैंडपंपों के प्लेटफॉर्म ऊंचे किए जाएंगे। यह कार्य ग्राम पंचायतों के माध्यम से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की तकनीकी निगरानी में कराया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। इस क्रम में हैंडपंपों का सर्वे कर लिया गया है। साथ ही अभियान को मूर्तरूप देने के लिये सरपंच, सचिव व जीआरएस को प्रशिक्षण दिलाया गया है। पिछले दो वर्षों में अत्यधिक वर्षा के दौरान कई ग्रामों में जलभराव की स्थिति बनी थी, जिससे नीचे बने हैंडपंप प्लेटफॉर्म डूबने की स्थिति निर्मित हुई और जल स्त्रोतों में दूषित पानी पहुंचने की आशंका बनी। इसी को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा अभियान बतौर हैंडपंप के प्लेटफॉर्म ऊँचे करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही आवश्यकता अनुसार हैंडपंपों के पास सोख्ता गड्ढों का निर्माण कराने और जल निकासी की व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश भी कलेक्टर द्वारा दिए गए हैं। जलभराव प्रभावित हैंडपंपों का सर्वे पूरा-जिला प्रशासन द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से कराए गए सर्वे में 34 ग्रामों के 390 हैंडपंप जलभराव प्रभावित पाए गए हैं। सर्वे के आधार पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत द्वारा प्रथम चरण में 29 ग्राम पंचायतों के 100 हैंडपंपों के प्लेटफॉर्म ऊंचे करने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशिक्षण देकर कार्य को दी गई गति -अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए 23 अप्रैल को जिला पंचायत सभागार में संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं जीआरएस को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत की उपस्थिति में आयोजित हुए प्रशिक्षण में प्लेटफॉर्म ऊंचाई, गुणवत्ता और सोख्ता गड्ढों के निर्माण संबंधी तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही संबंधित ग्राम पंचायतों को कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति भी उपलब्ध कराई गई।

सड़क दुर्घटना ने छीनी जिंदगी, अस्पताल ने लूटी उम्मीद; 41 हजार जमा करने के बाद मिली मौत की खबर

गुना 25 अप्रैल (निस) शहर के हड्डी मील क्षेत्र में गत शाम हुए एक दर्दनाक सड? हादसे ने जहां एक परिवार का चिराग बुझा दिया, वहीं निजी अस्पताल के प्रबंधन पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नानाखेड़ी मंडी से काम निपटाकर अपने गांव लौट रहे 24 वर्षीय युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल ने युवक की मौत की जानकारी छिपाकर उनसे हजारों रुपए ऐंठ लिए। बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र के तिल्ली खेड़ा निवासी संजीव अहिरवार (24) नानाखेड़ी की एक निजी फर्म में सेल्समैन था। बुधवार शाम करीब 5 बजे वह बाइक से घर लौट रहा था, तभी हड्डी मील के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। घायल संजीव को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत के चलते परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए।

दोस्त की पत्नी से भी किया रेप कई लड़कियों से थे संबंध

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली के कैलाश हिल्स इलाके में आईआरएस की बेटी मर्डर केस में आरोपी को लेकर बड़े खुलासे सामने आ रहे हैं। दिल्ली आने से पहले उसने एक महिला से रेप किया था। दिल्ली के कैलाश हिल्स में आईआरएस अधिकारी की बेटी की हत्या और दुष्कर्म के आरोपी राहुल मीणा ने दिल्ली आने से पहले अलवर में अपने दोस्त की पत्नी से भी रेप किया था। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अलवर पुलिस ने दिल्ली पुलिस से संपर्क किया है और पूछताछ पूरी होने के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर ले जाने की तैयारी है। वहां उसके खिलाफ दुष्कर्म और चोरी की धाराओं में मामला दर्ज है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, 21 अप्रैल को राहुल अपने दोस्त के साथ शादी में गया था। रात में उसने तबीयत खराब होने का बहाना बनाया और दोस्त की बाइक लेकर उसके घर लौट आया। वहां उसने दोस्त की पत्नी से रेप किया और फरार हो गया। इसके बाद वह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पहुंचा, जहां एक एंबुलेंस को रुकवाकर उसमें बैठकर दिल्ली आ गया। दिल्ली पहुंचने पर उसने बहाने से उतरकर चालक को बिना पैसे दिए फरार हो गया। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के कई लड़कियों से संबंध थे।

जीएसटी कार्यालय में ताबड़तोड़ 162 तबादले सिस्टम की खामियां देख भड़की थीं सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ट्रेड एंड टैक्सेस (जीएसटी) विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। 8 अप्रैल 2026 को विभाग के दौरे के दौरान सामने आई अनियमितताओं पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर व्यापक स्तर पर तबादले किए गए हैं। मुख्यमंत्री के इस सख्त कदम के तहत तीन असिस्टेंट कमिश्नर सहित कुल 162 अधिकारियों और कर्मचारियों को स्थानांतरित किया गया है, जो लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात थे। इसमें 58 सेक्शन ऑफिसर ग्रेड-1, 22 असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर ग्रेड-2, 74 सीनियर असिस्टेंट ग्रेड-3 और 5 जूनियर असिस्टेंट ग्रेड-4 शामिल हैं।

डॉ. अनिल गोयल को मिला सर्वश्रेष्ठ विधायक का सम्मान

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली विधानसभा ने 18 वर्षों के बाद सर्वश्रेष्ठ विधायक का पुरस्कार देने की घोषणा की है। इसके लिए गठित चयन समिति की बैठक विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में हुई, जिसमें कृष्णा नगर के विधायक डॉ. अनिल गोयल को सर्वश्रेष्ठ विधायक घोषित किया गया। उन्हें स्मृति चिन्ह और 51 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। शीघ्र ही समारोह आयोजित कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा। डॉ. गोयल पहली बार कृष्णा नगर से विधायक चुने गए हैं। सर्वश्रेष्ठ विधायक पुरस्कार का चयन पारदर्शी अंक प्रणाली के आधार पर किया गया है। कुल मूल्यांकन 100 अंकों पर किया गया है, जिसमें 65 अंक विधानसभा के आधिकारिक अभिलेखों के आधार पर और 35 अंक चयन समिति द्वारा गुणात्मक मूल्यांकन के आधार पर हैं। मूल्यांकन का सबसे बड़ा हिस्सा, 50 अंक सदन में विभिन्न मुद्दों पर होने वाली चर्चा में सदस्य के योगदान पर केंद्रित है। विभिन्न समितियों में विधायक की सक्रियता के लिए कुल 30 अंक निर्धारित हैं। 20 अंक अनुशासन, आचरण और आधुनिकीकरण (डिजिटल और कागजरहित कार्यप्रणाली) से संबंधित हैं।

नाक की हड्डी टूटी, चेहरे पर घाव-शरीर पर कई जख्म

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) अमर कॉलोनी के कैलाश हिल्स में 22 साल की लड़की की हत्या के मुख्य आरोपी ने पुलिस पूछताछ में रोंगटे खड़े करने वाले खुलासे किए हैं। पूछताछ में आरोपी ने दावा किया है कि उसका टारगेट ब्यूरोक्रेट के घर से रकम और जूलरी चोरी करना था। लड़की ने विरोध किया तो लैंप की रॉड से सिर पर ताबड़तोड़ वार किए। वह अचेत होकर फर्श पर गिर पड़ी। शरीर की हरकत भी बंद हो गई। इसके बाद उसने फर्श पर ढेर हो चुकी लड़की से दुष्कर्म किया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती पूछताछ में आरोपी का दावा है कि अगर लड़की रकम जूलरी ले जाने के लिए लॉकर खोल देती तो वह न हमला करता और न ही मर्डर-दुष्कर्म को अंजाम देता। यह सब अचानक हो गया। विरोध करने पर सिर पर लैंप की रॉड से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी होकर फर्श पर अचेत होकर गिर पड़ी। सिर से बहता खून कमरे में फैल रहा था, वह तब भी रॉड से सिर पर ताबड़तोड़ वार करता रहा। लड़की के शरीर में कोई हरकत नहीं हो रही थी तो विरोध की गुंजाइश भी खत्म हो चुकी थी। इसके बाद उसने पेचकस से लॉकर तोड़ा और करीब ढाई लाख कैश और लाखों की जूलरी बैग में भर लिया। खून से सने कपड़े बदले और बाहर निकल गया। पुलिस अफसरों का कहना है कि चार दिन की रिमांड में आरोपी से और भी पूछताछ की जाएगी। इस दौरान अभी तक की बातों को वेरिफाई किया जाएगा। इसलिए आरोपी की हर बात पर भरोसा नहीं किया जा रहा।

दिल्ली में करोड़ों के गहने और कैश लेकर मेड फरार

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) शालीमार बाग इलाके में एक कारोबारी के घर से करोड़ों की चोरी का मामला सामने आया है। चोरी का आरोप हाउस हेल्प पर है। उसे बिना पुलिस वेरिफिकेशन के काम पर रखा गया था। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी की तस्वीर कैद हो गई है। पुलिस के मुताबिक बीक्यू ब्लॉक निवासी कारोबारी विजयपाल गुप्ता के घर 17 अप्रैल को एक महिला को हाउस हेल्प के तौर पर रखा गया था। उसने अपना नाम अनीता बताया। 19 अप्रैल की सुबह करीब 10 बजे जब घर के लोग पूजा में व्यस्त थे, आरोप है कि तभी वह अलमारी से करीब डेढ़ करोड़ रुपये की जूलरी और 4-5 लाख रुपये कैश लेकर फरार हो गई। महिला अपने साथ स्क्रूड्राइवर लाई थी, उसने अलमारी का ताला खोला। जिससे चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी महिला ने करीब 6 महीने पहले भी शालीमार बाग के ही एक अन्य घर में इसी तरह से करीब एक करोड़ रुपये की चोरी की थी। उस समय भी उसकी तस्वीर सीसीटीवी में कैद हुई थी। सीलमपुर में चोरों ने एक घर से लाखों की गोल्ड जूलरी और कैश उड़ा लिया। पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी है। थाना सीलमपुर पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 56 वर्षीय आयशा प्रवीण एच ब्लॉक सीलमपुर इलाके में अकेले रहती हैं। 18 अप्रैल को दोपहर 1:30 बजे उनके घर की खिड़की तोड़ चोर घुसे और वारदात की।

आनंद विहार रेलवे स्टेशन के नीचे बनेगा अंडरपास

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) आनंद विहार रेलवे स्टेशन के आसपास जाम खत्म करने की योजना बनाई जा रही है। इस योजना के तहत कड़कड़डूमा क्षेत्र को रेलवे स्टेशन से कनेक्ट करने के लिए रेलवे स्टेशन के नीचे अंडरपास निर्माण की संभावनाओं की तलाश की जाएगी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के कौशांबी की ओर से रेलवे स्टेशन आने जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए एक नया फुट ओवरब्रिज (एफओबी) बनाया जाएगा।

कॉकटेल-2 को लेकर बेहद उत्साहित है रश्मिका मंदाना

शाहिद और कृति के साथ इटली में जमकर डांस किया रश्मिका ने मुंबई (ईएमएस)। अपनी आगामी फिल्म कॉकटेल-2 को लेकर अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म में रश्मिका दीया नाम की एक उत्साही लड़की का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस के किरदार की झलक हाल ही में रिलीज़ हुए फिल्म के नए गाने जब तलक में देखने को मिली। यह गाना एक मस्ती भरा बीट वाला नंबर है, जिसमें रश्मिका अपने सह-कलाकारों शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ समुद्र किनारे झूमते हुए नजर आ रही हैं। हाल ही में, रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम पर इसी गाने के बिहाइंड द सीन (बीटीएस) वीडियो को पोस्ट किया, जिसमें वह शाहिद और कृति के साथ बेहद मस्ती भरे पल साझा करती दिख रही हैं। इस वीडियो में रश्मिका ने बताया कि गाने की शूटिंग इटली के खूबसूरत सिसिली शहर में हुई थी, जहां सेट पर हर पल हंसी-मजाक और ऊर्जा से भरपूर था। शूटिंग के शॉट्स के बीच में तीनों कलाकार अक्सर अचानक डांस करने लगते थे और छोटी-छोटी बातों पर खुलकर हंसते थे, जिससे सेट का माहौल बेहद खुशनुमा बना रहता था। रश्मिका ने इस अनुभव को अपने लिए बहुत यादगार बताया और अपनी पोस्ट में लिखा, दीया की डायरी का एक पन्ना! हमने जब तलक गाने की शूटिंग इटली के सिसिली में की, और वहां सब कुछ मजेदार था।

शॉट्स के बीच में यूं ही डांस करना, हर वक्त मस्ती, छोटी-छोटी बातों पर हंसना और फिर भी पूरे स्टाइल के साथ शूट पूरा कर लेना। अभिनेत्री ने अपने किरदार दीया के बारे में बताते हुए लिखा कि फिल्म में दीया अपनी जिंदगी के सबसे बेहतरीन पल जी रही थी, और जब दर्शक फिल्म देखेंगे, तो उन्हें समझ आएगा कि वहां इतनी मस्ती और उससे भी ज्यादा डांस क्यों था। रश्मिका ने अपने डांस पार्टनर कृति और शाहिद के लिए विशेष रूप से लिखा, एली और कुंजी (फिल्म में उनके किरदारों के नाम) सच में डांस और शरारत के पार्टनर थे। मुझे नहीं लगता कि दीया, कुणाल और एली एक पल के लिए भी सीरियस रहे, तब भी जब उन्हें सीरियस होना चाहिए था।

एक समय खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं मालविका -हाल ही में साउथ की मशहूर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने बताया कि एक वक्त ऐसा आया था, जब वह अंदर से पूरी तरह टूट गई थीं। अभिनेत्री ने अपने फैंस के साथ दिल की बात साझा की। मालविका ने खुलासा किया कि परिवार और अपने करीबियों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं।

यह खुलासा मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ आयोजित किए गए आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान किया। इस सत्र के दौरान एक प्रशंसक ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने बेहद ईमानदारी से अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया, पिछले महीने में काम के सिलसिले में चेन्नई में थी। मुझे वहां काफी लंबे समय तक रुकना पड़ा। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी सुचारु रूप से चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने के कारण मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थी। मालविका ने अपनी भावनाओं को विस्तार से बताते हुए कहा, दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद, जब मैं रात को अपने होटल के कमरे में लौटती थी, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यह बात मुझे अंदर ही अंदर परेशान करने लगी थी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी और लगातार अकेले रहने का गहरा असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसकी वजह से मुझे रोना आता था। उनका यह अनुभव दिखाता है कि किस तरह बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के सितारों को भी आम इंसानों की तरह भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, भले ही उनकी जिंदगी बाहर से कितनी भी चकाचौंध भरी क्यों न लगे। अपने निजी अनुभवों को साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की, जो उनके जीवन में आगे बढ़ने का एक संकेत है। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं, जिनकी तारीफ करते हुए मालविका ने कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने यह भी बताया कि इस फिल्म का नाम पॉकेट नॉवेल है और यह इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव रहा है।

एटली और प्रिया के घर बेटी के आगमन से खुशी का माहौल

मशहूर फिल्ममेकर एटली और उनकी पत्नी कृष्णा प्रिया के घर पुन~ एक नन्ही परी का जन्म हुआ है। इस बेहद खास खुशखबरी को एटली और प्रिया ने सोशल मीडिया पर अनोखे और दिल छू लेने वाले अंदाज में साझा किया। इस खबर के सामने आते ही बधाइयों का तांता लग गया। कपल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक प्यारा सा पोस्टर साझा किया, जिसमें एक बच्चा खिलौना कार के ऊपर बैठा नजर आ रहा है। इस पोस्टर पर लिखा था, ये हुई ना बात, मुझे एक छोटी बहन मिल गई है! बड़ा भाई मीर। इस पोस्ट के साथ ही फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई सितारों और लाखों फैंस ने उन्हें दिल खोलकर बधाइयां दीं और अपनी खुशी व्यक्त की।

राजा शिवाजी प्रोजेक्ट को लेकर बेहद गंभीर रितेश देशमुख

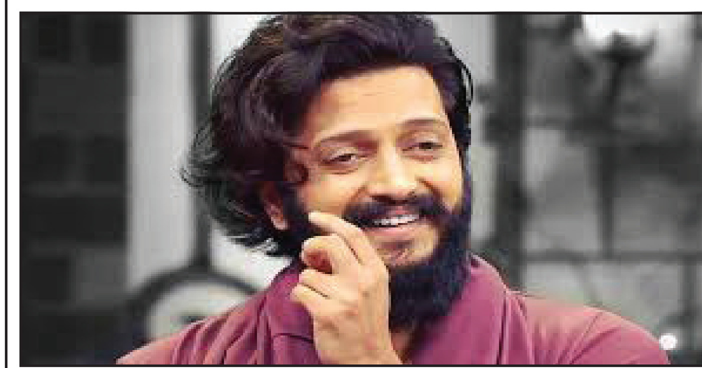

अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख अपनी आगामी फिल्म राजा शिवाजी के साथ दर्शकों के सामने आने को तैयार हैं, जिसने अपने दमदार ट्रेलर और पोस्टर के साथ अभी से खूब सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी हैं। अब इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट पर दिग्गज फिल्ममेकर सुभाष घई ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिन्होंने फिल्म के ट्रेलर को बेहद दमदार बताते हुए इसे जादुई सिनेमाई अनुभव करार दिया है। बुधवार को सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर राजा शिवाजी का पोस्टर साझा करते हुए फिल्म की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, सोचिए, जब ट्रेलर ही इतना रॉकिंग है, तो फिल्म कैसी होगी। थिएटर में फिल्म देखने का अनुभव और भी खास और जादुई होने वाला है। यह फिल्म दर्शकों को एक अलग ही स्तर का सिनेमाई अनुभव देने वाली है। घई ने रितेश देशमुख के जुनून और मेहनत को भी सराहा। उन्होंने कहा, रितेश ने इस फिल्म को जुनून और मेहनत के साथ बनाया है। इस प्रोजेक्ट में उन्होंने अभिनय के साथ-साथ कहानी लिखने और निर्देशन पर भी शानदार काम किया है। फिल्म में देशभक्ति की भावना साफ नजर आती है और मुझे विश्वास है कि यह फिल्म दर्शकों को जरूर पसंद आएगी।

दिग्गज फिल्ममेकर ने फिल्म में शामिल अन्य कलाकारों की भी सराहना की, विशेष रूप से संजय दत्त और अभिषेक बच्चन का जिक्र करते हुए कहा कि इन सितारों ने रितेश का पूरा साथ दिया है, ताकि फिल्म अपने बेहतरीन स्वरूप में सामने आ सके। राजा शिवाजी मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के असाधारण जीवन पर आधारित है। यह फिल्म उनके संघर्ष, साहस, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति को बड़े भव्य स्तर पर दर्शाएगी। यह कहानी मात्र इतिहास का पुनरावलोकन नहीं, बल्कि प्रेरणा और देशभक्ति का एक सशक्त संदेश भी देती है।

फिल्म में रितेश देशमुख स्वयं मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जिनके साथ संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते और जेनेलिया देशमुख जैसे कई जाने-माने कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर तैयार किया गया है और इसे एक पैन-इंडिया फिल्म के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, राजा शिवाजी का निर्माण ज्योति देशपांडे और जेनेलिया देशमुख ने किया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसे मराठी, हिंदी और तेलुगु भाषाओं में दुनिया भर के दर्शकों के सामने लाया जाएगा, जिससे यह भारतीय सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण पेशकश साबित होने की उम्मीद है।

ममता कुलकर्णी ने अपनी मां के कारण बनाई फिल्मों से दूरी

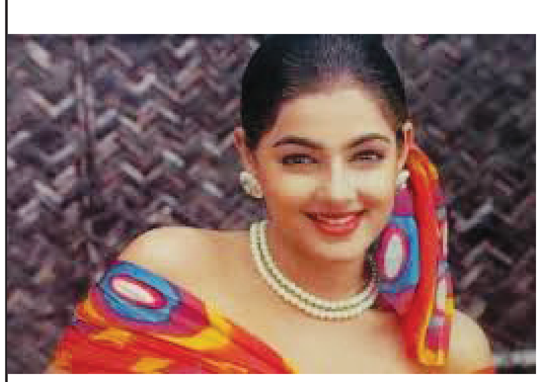

अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने खुलासा किया है कि उनकी मां की वजह से उन्होंने हिंदी सिनेमा से दूरी बनाने का फैसला किया था। 20 अप्रैल को एक मराठी परिवार में जन्मी ममता कुलकर्णी को शुरुआत में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं का अच्छा ज्ञान नहीं था, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 90 के दशक की कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी अभिनय प्रतिभा का लोहा मनवाया। हिंदी सिनेमा में कदम रखने से पहले, अभिनेत्री ने तमिल सिनेमा में अपने करियर को चमकाने की कोशिश की और उन्हें पहली फिल्म 1991 में ननबरगल मिली। इसके बाद साल 1992 में उन्होंने तेलुगु रोमांस ड्रामा प्रेमा शिखराम में काम किया। उसी साल ममता की किस्मत चमकी और उन्होंने पहली हिंदी फिल्म तिरंगा से बॉलीवुड में शानदार एंट्री की। मल्टीस्टारर फिल्म होने के बावजूद, ममता के खूबसूरत चेहरे और कर्ली बालों ने दर्शकों का दिल जीत लिया और उन्हें खूब पसंद किया गया। ममता ने खुद कई बार इस बात का जिक्र किया कि सिनेमा में उन्हें काम के लिए किसी तरह की परेशानी या संघर्ष नहीं करना पड़ा, बल्कि उन्हें जो फिल्में ऑफर होती थीं, वे कोशिश करती थीं कि किसी को मना न करें और हर अच्छे मौके को भुनाएं। साल 1993 में आई फिल्म आशिक आवारा ने ममता को रातोंरात स्टार बना दिया। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर न्यू फेस अवॉर्ड से भी नवाजा गया और इसके बाद उनकी सुपरहिट फिल्मों का सिलसिला चलता रहा। हालांकि, साल 2000 के आते-आते उन्होंने अध्यात्म को अपनी नई मंजिल चुना और धीरे-धीरे फिल्मी दुनिया से किनारा करना शुरू कर दिया। एक समय ऐसा भी आया, जब दुबई के रहने वाले अंडरवर्ल्ड ड्रग माफिया विक्की गोस्वामी के साथ उनके रिश्तों की वजह से बी-टाउन में अभिनेत्री के लिए काम करना मुश्किल हो गया। कई निर्देशक उनके साथ फिल्म करने से कतराने लगे, और फिर साल 2002 आते-आते उन्होंने पूरी तरह से बॉलीवुड को अलविदा कह दिया।

सन्नी देयोल अब नजर आएंगे एक नए अवतार में

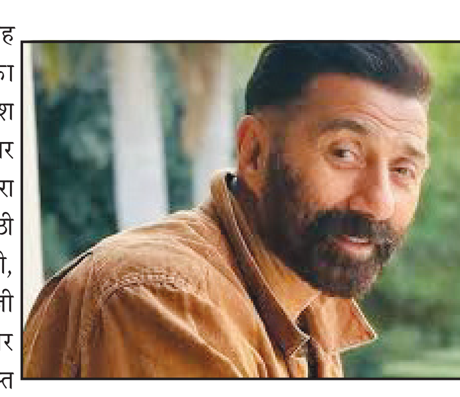

रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता सनी देओल के साथ अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा की है। इस फिल्म का सह-निर्माण ए.आर. मुरुगादॉस भी करेंगे, और इसमें ज्योतिका भी एक अहम किरदार में नजर आएंगी। बॉर्डर 2 की अपार सफलता के बाद, सनी देओल की इस नई फिल्म ने पहले ही काफी सुर्खियां बटोर ली हैं। एक्टर के करीबी सूत्रों ने खुलासा किया है कि इस प्रोजेक्ट में सनी देओल एकदम नए ज़ोन में दिखाई देंगे, जो उनके करियर का एक रोमांचक नया अध्याय साबित होगा। यह रितेश, फरहान और मुरुगादॉस के साथ उनकी पहली साझेदारी है। सूत्रों के अनुसार, लगातार बड़े पैमाने की मनोरंजक फिल्मों के साथ एक धमाकेदार दौर के बाद, सनी देओल अब रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और ए.आर. मुरुगादॉस के साथ अपनी पहली फिल्म के लिए एक बिल्कुल नए किरदार और ज़ोन में कदम रख रहे हैं। यह एक्सेल एंटरटेनमेंट का प्रोडक्शन है और रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर और ए.आर. मुरुगादॉस द्वारा निर्मित है। यह एक अनूठी एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसका निर्देशन बालाजी गणेश करेंगे। यह खबर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है, क्योंकि उन्हें सनी देओल को एक नए अवतार में देखने का मौका मिलेगा।

बढ़े वजन पर टिप्पणी करने वालों को पत्रलेखा ने दिया करारा जवाब-हाल ही में मां बनने के बाद बढे वजन को लेकर अभिनेत्री पत्रलेखा को ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिसने अभिनेत्री को अपनी चुप्पी तोड़ने पर मजबूर कर दिया। उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे थे, जिन्हें पत्रलेखा ने करारा जवाब दिया है। पत्रलेखा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक सशक्त पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यही उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा और प्राकृतिक कारण है। उन्होंने उन लोगों को निशाने पर लिया जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे थे और उनकी शारीरिक बनावट पर टिप्पणी कर रहे थे। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोगों को ऐसा लगता है जैसे मैंने जरूरत से ज्यादा खा लिया हो, जबकि सच्चाई यह है कि मैंने इस दौरान एक नई जिंदगी को जन्म दिया है, एक इंसान को बनाया है। पत्रलेखा ने गर्भावस्था के दौरान और उसके बाद शरीर में होने वाले बदलावों को पूरी तरह सामान्य बात बताया, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत टिप्पणी कर देते हैं, जिससे महिलाओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है।

उन्होंने फिर से दोहराया कि मैंने पहाड़ नहीं खाया है, बल्कि एक बच्चे को जन्म दिया है, और यह मेरे शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। उन्होंने अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए कहा कि वह अपनी मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही हैं और साथ ही दो फिल्मों के निर्माण का काम भी संभाल रही हैं, जो बिल्कुल भी आसान नहीं है। यह बयान दिखाता है कि वे न केवल एक नई मां की चुनौतियों का सामना कर रही हैं, बल्कि अपने पेशेवर जीवन में भी सक्रिय हैं, और इन सब के बावजूद उन्हें अपने शारीरिक बदलावों के लिए आलोचना झेलनी पड़ रही है। अपने पोस्ट के आखिर में पत्रलेखा ने लोगों से भावनात्मक अपील की और कहा, अगर मेरे हाथ में होता तो मेरा शरीर ऐसा न होता, लेकिन यह पूरी तरह शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है।

उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि किसी भी महिला के शरीर पर टिप्पणी करने से पहले उसके हालात और संघर्ष को समझने की कोशिश करें। उन्होंने सहानुभूति की अपील करते हुए कहा, हर किसी को थोड़ा तो दयालु बनना चाहिए और दूसरों की परिस्थितियों को समझना चाहिए। पत्रलेखा और अभिनेता राजकुमार राव ने पिछले साल 15 नवंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। सोशल मीडिया की दुनिया जितनी तेज और चमकदार दिखती है, उतनी ही तनावपूर्ण और क्रूर भी हो सकती है। खासकर फिल्मी सितारों के लिए यह दबाव और भी बढ़ जाता है, जहां उनके हर शारीरिक बदलाव या व्यक्तिगत पसंद पर यूजर्स के कमेंट्स और आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है।

अजय देवगन की 5 बड़ी फिल्में कतार में, मचेगा धमाल

अपने प्रशंसकों के लिए बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन लगातार पाँच बड़ी फ़िल्में लेकर आ रहे हैं। इन फिल्मों में से चार तो ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी के बहुप्रतीक्षित सीक्वल हैं।। बीते दिनों जारी गोलमाल 5 के परिचय वीडियो ने तो उत्साह को और बढ़ा दिया है। इसमें अक्षय कुमार की धमाकेदार एंट्री और शरमन जोशी की वापसी ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं, जिससे लग रहा है कि यह फ़िल्म कॉमेडी और सरप्राइजेज़ का एक शानदार मिश्रण होगी। अजय देवगन का आगामी फिल्मी सफर कॉमेडी, एक्शन और सस्पेंस का एक शानदार मिश्रण होने वाला है। उनकी सबसे चर्चित कॉमेडी फ्रेंचाइजी गोलमाल का पांचवां इंस्टालमेंट गोलमाल 5 रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रहा है। इस मल्टीस्टारर कॉमेडी में अजय के साथ उनके पुराने साथी अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू और श्रेयस तलपड़े फिर से दर्शकों को हँसाने के लिए तैयार हैं। वीडियो में अक्षय कुमार का कॉमिक-निगेटिव रोल में दिखना फिल्म के लिए एक बड़ा सरप्राइज फैक्टर है, जो कहानी में नया ट्विस्ट लाएगा। यह फ़िल्म एक बड़े ग्रुप और अधिक कॉमिक सेटअप पर केंद्रित होगी, जो पिछली फ़िल्मों की विरासत को आगे बढ़ाएगी। जहाँ गोलमाल~ फन अनलिमिटेड (2006) में रिमी सेन, गोलमाल रिटर्न्स और गोलमाल 3 में करीना कपूर खान और गोलमाल अगेन (2017) में परिणीति चोपड़ा ने फीमेल लीड का किरदार निभाया था, वहीं इस बार कहानी का मुख्य आकर्षण बड़े समूह और व्यापक हास्य का सेटअप होगा। इसके अलावा, अजय देवगन अपनी बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फ्रेंचाइजी दृश्यम 3 के साथ 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देंगे। इसकी रिलीज़ डेट की घोषणा पिछले साल दिसंबर में ही हो गई थी, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को चरम पर पहुँचा दिया है।

दिलचस्प बात यह है कि मलयालम फ़िल्म दृश्यम 3 जिसमें मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं, वह भी मई में रिलीज़ होने वाली है, जिसके बाद हिंदी रीमेक का इंतज़ार और बढ़ जाएगा और उम्मीद है कि अजय देवगन एक बार फिर अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। हाल ही में रिलीज़ हुई गुजराती फ़िल्म वश की हिंदी रीमेक शैतान ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें अजय देवगन ने एक पिता की दमदार भूमिका निभाई थी और उनके साथ ज्योतिका भी नज़र आई थीं। फ़िल्म को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब वह शैतान 2 में भी अपने गहन अभिनय को दोहराते हुए दिखाई देंगे, जिससे हॉरर-थ्रिलर प्रेमियों में खुशी की लहर है। तमिल फ़िल्म कैथी की हिंदी रीमेक भोला को भी लॉकडाउन के दौरान रिलीज़ होने के बावजूद दर्शकों और समीक्षकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी।

अजय देवगन ने इस एक्शन थ्रिलर में लीड रोल निभाया था। अब वह भोला 2 में भी मुख्य किरदार निभाते नज़र आएंगे, जिसके अगले साल रिलीज़ होने की संभावना है। यह फ़िल्म एक्शन प्रेमियों के लिए एक बड़ा तोहफा साबित होगी। कॉमेडी फ्रेंचाइजी के शौकीन दर्शकों के लिए धमाल 4 भी अजय देवगन की आगामी लिस्ट में शामिल है। टोटल धमाल के बाद वे दूसरी बार इस मल्टीस्टारर फ़िल्म से जुड़ रहे हैं, जिसके इस साल के अंत तक या अगले साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने की संभावना है। इन सीक्वल फ़िल्मों के अलावा, अजय देवगन अगले साल एक नई एक्शन फ़िल्म रेंजर में भी नज़र आएंगे। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फ़िल्म में संजय दत्त और तमन्ना भाटिया भी अहम किरदारों में हो सकते हैं। रेंजर से अजय देवगन एक बार फिर अपनी एक्शन इमेज को मजबूत करेंगे।

बड़े पर्दे पर फिर धमाल माचाने तैयार विजय देवरकोंडा

दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता विजय देवरकोंडा अपनी नई फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर कुछ अद्वितीय और भव्य लेकर आने की तैयारी में हैं। निर्देशक शौर्यूव के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का आधिकारिक ऐलान हो चुका है, और इसका विज़न एवं स्केल यह दर्शाता है कि यह भारतीय सिनेमा के लिए ग्लोबल स्तर पर एक बड़ा कदम हो सकती है। फिल्म का अनाउंसमेंट पोस्टर पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुका है, जिसमें विजय देवरकोंडा एक शक्तिशाली और अनदेखे अवतार में नजर आ रहे हैं। वह लोहे की जंजीरों से बंधे चार कुत्तों के साथ आगे बढ़ते दिखाई देते हैं, और उनके पीछे कई लोग चलते हैं। यह दृश्य शक्ति, संघर्ष और नेतृत्व का प्रतीक है, जो उनके अब तक के करियर से बिल्कुल अलग है और उनके किरदार की गहराई का संकेत देता है। इस प्रोजेक्ट की एक और महत्वपूर्ण विशेषता ड्रीम कलेक्टिव है, जिसे दुनिया भर के बेहतरीन क्रिएटिव और तकनीकी विशेषज्ञों का एक समूह बताया जा रहा है। फिल्म निर्माताओं के अनुसार, इस टीम के हर सदस्य को उनके क्षेत्र में विशेषज्ञता के आधार पर चुना गया है। यह पहल भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने की दिशा में एक मजबूत प्रयास है। उम्मीद है कि यह फिल्म न केवल दर्शकों को एक अनूठा सिनेमाई अनुभव देगी, बल्कि भारतीय फिल्म निर्माण की सीमाओं को भी आगे बढ़ाएगी।

पुलकित ने बॉक्सिंग कर रचा इतिहास

पुलकित सम्राट ने अपनी आगामी सीरीज़ ग्लोरी के ट्रेलर लॉन्च इवेंट को यादगार बनाते हुए एक अनूठा इतिहास रच दिया। उन्होंने प्रोफेशनल बॉक्सर नीरज गोयत के साथ रिंग में लाइव बॉक्सिंग मुकाबला किया, जिसने दर्शकों को पूरी तरह चौंका दिया। यह मुकाबला केवल एक प्रचार कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक वास्तविक और दमदार फाइट थी, जिसमें पुलकित ने अपनी तैयारी, अनुशासन और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। एक अनुभवी बॉक्सर के साथ इस स्तर पर मुकाबला करना, इंडस्ट्री में उनकी प्रतिबद्धता को उजागर करता है। इस उपलब्धि के साथ, पुलकित सम्राट प्रोफेशनल बॉक्सर के साथ लाइव फाइट करने वाले पहले भारतीय अभिनेता बन गए हैं। वैश्विक स्तर पर, वह अब टॉम हार्डी और जेक गिलेनहाल जैसे कलाकारों की सूची में शामिल हो गए हैं, और ऐसा करने वाले दुनिया के तीसरे अभिनेता बन गए हैं। मुकाबले के बाद, रिंग में खेल भावना और आपसी सम्मान भी देखने को मिला। नीरज गोयत ने पुलकित की कड़ी मेहनत, साहस और समर्पण की खुलकर प्रशंसा की, यह स्वीकार करते हुए कि एक अभिनेता के लिए ऐसी वास्तविक फाइट करना आसान नहीं होता। इस लाइव बॉक्सिंग मैच ने ग्लोरी के ट्रेलर लॉन्च को एक नई पहचान दी और सीरीज़ के एक्शन-पैक और तीव्र माहौल की एक झलक पेश की, जिससे दर्शकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है।

हैफेड ने खरीद करने से किया मना तो भड़के आढ़ती, मंडी गेट पर ताला लगा आढ़तियों ने किया प्रदर्शन

सफीदों, 25 अप्रैल (एस.के. मित्तल) : खरीद एजेंसी हैफेड द्वारा गेहूं खरीद में आनाकानी करने के विरोध में शुक्रवार को नई अनाज मंडी में आढ़तियों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित आढ़तियों ने मंडी प्रधान गणेशी लाल गर्ग की अगुवाई में मंडी का मुख्य गेट बंद करके प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। गेट पर तालाबंदी के कारण मंडी में व्हीकलों का आवागमन बंद हो गया।

तालाबंदी की सूचना पाकर मार्किट कमेटी सचिव अनिल शर्मा व हैफेड़ मैनेजर बीरमति मौके पर पहुंची और आढ़तियों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। कच्चा आढ़ती संघ के प्रधान गणेशी लाल गर्ग और अन्य आढ़तियों ने बताया कि शुक्रवार और शनिवार को हैफेड द्वारा गेहूं की खरीद की जानी है, लेकिन सुबह दोबारा सूचना दी गई कि केवल 100 क्विंटल गेहूं की ही बिडिंग होगी।

इस पर आढ़तियों ने कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि यदि इसी तरह सीमित बिडिंग होती रही तो मंडी में पड़ा गेहूं लंबे समय तक सड़ता रहेगा। आढ़तियों ने सरकार पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने की बात कही जाती है, वहीं दूसरी ओर खरीद एजेंसियों द्वारा बिडिंग लिमिट लगाकर किसानों और आढ़तियों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने मौसम विभाग की ओर से खराब मौसम की चेतावनी का हवाला देते हुए कहा कि यदि बारिश होती है तो खराब होने वाले गेहूं की जिम्मेदारी कौन लेगा। उन्होंने बताया कि बिडिंग के बाद ही बारदाना मिलता है, फिर तुलाई और उठान के बाद गोदाम में गेहूं पहुंचने पर ही किसानों के खातों में भुगतान होता है। मौजूदा स्थिति में अभी तक किसी भी किसान को भुगतान नहीं मिल पाया है, जिससे किसानों में भी चिंता बढ़ रही है। गेट पर तालाबंदी की सूचना मिलने पर मार्किट कमेटी सचिव अनिल शर्मा मौके पर पहुंचे और आढ़तियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या आलाधिकारियों तक पहुंचाकर जल्द ही बिडिंग शुरू करवाई जाएगी। इस दौरान हैफेड मैनेजर बीरमति भी मौके पर पहुंची तो उन्होंने भी आढ़तियों को बिडिंग जल्द शुरू करवाने का आश्वासन दिया। अधिकारियों के आश्वासन के बाद आढ़तियों ने गेट का ताला खोल दिया।

क्या कहते हैं मार्किट कमेटी सचिव

इस मामले में मार्किट सचिव अनिल शर्मा ने ने बताया कि मंडी में अब तक लगभग 20 लाख क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है, जिसमें से करीब 13 लाख क्विंटल की बिडिंग हो चुकी है। उन्होंने बताया कि उठान के लिए 74 गाड़ियां लगी हुई हैं, लेकिन गोदामों में जगह निर्धारित न होने के कारण दिक्कत आ रही है।

इस वजह से प्रतिदिन केवल 30 से 40 गाड़ियों का ही उठान हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या को लेकर उच्च अधिकारियों से बातचीत की जा रही है और जल्द ही उठान प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी, ताकि समय पर गेहूं का उठान सुनिश्चित हो सके।

श्री केशव गोवर्धन गौशाला को विधायक जरनैल सिंह ने 21 लाख रुपये देने की घोषणा की

रतिया, 25 अप्रैल (अमन सेठी) : लाली रोड पर बनी श्री केशव गोवर्धन गौशाला के अध्यक्ष विद्यासागर बाघला की अध्यक्षता में रतिया विधायक जरनैल सिंह से मिले और गौशाला में गौ माता के रखरखाव को लेकर वित्तीय सहायता की मांग की विधायक जरनैल सिंह ने कहा की गौ माता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म और पुण्य का कार्य है और जो लोग इस सेवा को निभा रहे हैं वह वास्तव में मानव धर्म का काम कर रहे हैं उन्होंने गौशाला कमेटी को अपने कोटे से 21 लाख रुपए देने की घोषणा की जो स्कीम के साथ जल्द ही गौशाला कमेटी को दिए जाएगे इस अवसर पर पंजाबी सभा अध्यक्ष सतीश हाँडा, महासचिव कृष्ण तनेजा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष केवल मेहता,सुरेश झाँब,खेमचंद मोंगा,पूर्व प्रधान श्याम तनेजा, सचिव संदीप ग्रोवर, कोषाध्यक्ष राजन कक्कड़ ,नवनीत मेहता नंबरदार, बलदेव राज तनेजा, रविंद्र मलिक, तथा अन्य गौशाला कमेटी सदस्य मौजूद थे।

करनाल में शहरी बदलाव की मजबूत बुनियाद, सुनियोजित प्रयास ला रहे सार्थक परिणाम : रेणु बाला गुप्ता

करनाल, 25 अप्रैल (संदीप रोहिला) : केंद्र सरकार के अर्बन चैलेंज फंड के माध्यम से करनाल के सर्वांगीण विकास की व्यापक रूपरेखा को जमीन पर उतारने की दिशा में नगर निगम ने ठोस रणनीति और दूरदर्शी योजना के साथ कार्य तेज कर दिया है। शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रैफिक मैनेजमेंट, हरित क्षेत्र, नागरिक सुविधाओं और स्मार्ट शहरी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए समेकित विजन् के तहत योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इसके तहत सुनियोजित यातायात की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से नए फ्लाइओवर, सड़कों, पार्किंग स्पेस और अन्य जन सुविधाओं का जाल बिछाया जा रहा है। इससे कुछ ही समय में शहर की

तस्वीर में सार्थक एवं सकारात्मक परिवर्तन के नए रंग नजर आएंगे। उल्लेखनीय है कि इस पूरी प्रक्रिया में महापौर रेणु बाला गुप्ता का नेतृत्व निर्णायक और प्रेरणादायी रूप में सामने आया है। उनके मार्गदर्शन में लगातार नई परियोजनाओं को गति दी जा रही है, जिससे करनाल को अधिक स्मार्ट, व्यवस्थित और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करने की मजबूत नींव रखी जा रही है।

इस संदर्भ में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि करनाल का विकास केवल वर्तमान जरूरतों तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड के अंतर्गत तैयार हो रही परियोजनाएं शहर को सही मायनों में आधुनिक, सुगठित और नागरिक-अनुकूल स्वरूप प्रदान करेंगी। उनका लक्ष्य करनाल को ऐसा शहर बनाना है, जहां विकास की गति और सुविधाओं की गुणवत्ता—दोनों समान रूप से मजबूत हों।

शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए की जा रही है दीर्घकालिक योजनाएं लागू : महापौर रेणू बाला गुप्ता ने बताया कि शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं लागू की जा रही हैं। इसी कड़ी में महात्मा गांधी चौक से निर्मल कुटिया चौक तक प्रस्तावित सिंगल पिलर फ्लाईओवर यातायात व्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे न केवल जाम की समस्या में कमी आएगी, बल्कि शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि करनाल के प्रमुख मार्गों और विभिन्न सेक्टरों में यातायात सुधार, सडक् सुदृढ़ीकरण और नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

संवेदनशील और व्यस्त क्षेत्रों में जाम की समस्या के समाधान के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य किए जा रहे हैं, ताकि आमजन को राहत मिल सके। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने विश्वास जताया कि करनाल आने वाले समय में विकास के नए मानक स्थापित करेगा।

उनके नेतृत्व में शहर न केवल बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, बल्कि एक स्मार्ट, सुव्यवस्थित और रहने योग्य शहर के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान भी मजबूत कर रहा है।

ये प्रोजेक्ट देंगे विकास को गति : महापौर रेणु बाला गुप्ता ने बताया कि शहर में सिंगल पिलर फ्लाईओवर, मल्टी लेवल पार्किंग, कॉमर्शियल स्पेस विकास, एसवाईएल आधारित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, सोलर प्रोजेक्ट, कॉम्पैक्ट बायोगैस और वेस्ट टू एनर्जी प्लांट जैसी परियोजनाओं पर मंथन जारी है। साथ ही कर्ण पार्क पुनर्विकास, इन्द्री एस्केप सौंदर्यीकरण, मीरा घाटी से नमस्ते चौक तक सडक् सुधार तथा एम्यूजमेंट पार्क व वेंडिंग जोन जैसी योजनाएं भी शहर के समग्र विकास को गति देंगी।

पृथ्वी दिवस 2026 पर विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

शाहाबाद मारकंडा, 25 अप्रैल (रूबी) : माता रूमकणि राय आर्य सी.सै. स्कूल शाहाबाद की छात्राओं को 22 अप्रैल को पैनोरमा एवं साइंस सेंटर, कुरुक्षेत्र में आयोजित पृथ्वी दिवस समारोह के अंतर्गत क्विज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मान मिला। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजु परमार ने बताया कि यह प्रतियोगिता ऑवर पॉवर-ऑवर प्लानेंट थीम पर आधारित थी जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। प्राचार्या डॉ. अंजु परमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुरुक्षेत्र जिले से लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से केवल 7 प्रतिभागियों को विशेष सम्मान के लिए चयनित किया गया। विद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि कक्षा नौंवी की दो छात्राओं अनन्या और पवनीत को इस सम्मान के चयनित किया गया। दोनों विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। प्राचार्या डॉ. अंजु परमार ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी। विद्यालय की संयोजिका प्रोमिला शर्मा ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने 50 ग्राम हेरोइन (स्मैक) के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 25 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के सख्त निर्देशों के तहत जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 ग्राम हेरोइन (स्मैक) के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पहले भी इसी प्रकार के चार मामले दर्ज हैं, जो फिलहाल

अदालत में विचाराधीन हैं। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा।

इंचार्ज अनिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि तेजली के पास एक युवक नशीले पदार्थ बेचने का काम कर रहा है। इस सूचना पर एएसआई कुलदीप, जसबीर सिंह और जयपाल की एक टीम का गठन किया गया। टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर एक युवक को काबू किया। कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट को बुलाया गया, जिनकी मौजूदगी में युवक की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से 50 ग्राम हेरोइन (स्मैक) बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान दुर्गा गार्डन निवासी प्रयाग वर्मा पुत्र हरीश कुमार के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इंचार्ज ने बताया कि आरोपी पहले भी नशा तस्करी के मामलों में संलिप्त रहा है और उसके खिलाफ चार मामले दर्ज हैं, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी किन-किन लोगों से जुड़ा हुआ है और वह नशीले पदार्थ कहां से लाता था तथा किन क्षेत्रों में सप्लाई करता था। इंचार्ज ने कहा कि नशा तस्करी के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

आस्था और वास्तविकता के बीच.... नदियों और गौ माता की बिगड़ती स्थिति

आज ये पवित्र नदियां गंभीर प्रदूषण की शिकार हो चुकी हैं। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला जहरीला रसायनयुक्त पानी, शहरों और गांवों के नालों का गंदा बहाव, और धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर सामग्री का विसर्जन इन सबने मिलकर इन नदियों को प्रदूषित कर दिया है। जिस जल को कभी अमृत समान माना जाता था, वही आज कई स्थानों पर स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है। यह स्थिति हमारी आस्था और व्यवहार के बीच गहरे विरोधाभास को उजागर करती है।

भारत एक ऐसा देश है जो अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और गहरी आस्था के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। यहां प्रकृति के हर तत्व नदियों, पर्वतों, वृक्षों और पशुओं को सम्मान और पूजनीय स्थान दिया गया है।

विशेष रूप से गंगा और यमुना जैसी नदियों को मां का दर्जा दिया गया है, वहीं गौ माता को भी भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान प्राप्त है। लेकिन विडंबना यह है कि जिन चीज़ों को हम सबसे अधिक पूजनीय मानते हैं।

आज उनकी स्थिति सबसे अधिक दयनीय हो चुकी है। भारत में गंगा और यमुना नदियां केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हैं। लोग इन्हें गंगा मैया और यमुना माता कहकर श्रद्धा व्यक्त करते हैं। परंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल विपरीत है।

इसी प्रकार, गौ माता को भारतीय संस्कृति में मां के रूप में पूजा जाता है, लेकिन आज उनकी स्थिति भी अत्यंत चिंताजनक है। धीरे-धीरे देश में गौ पालन की परंपरा कम होती जा रही है।

इसका परिणाम यह है कि आज बाजार में मिल रहा दूध अक्सर मिलावटी या केमिकलयुक्त होता है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और अनेक बीमारियों को जन्म देता है। जो देश कभी शुद्ध और प्राकृतिक जीवनशैली के लिए प्रसिद्ध था, आज वही कृत्रिमता की ओर बढ़ता जा रहा है।

शुभम शर्मा की कलम से...
(राष्ट्रीय सचिव) भारतीय मानव अधिकार संरक्षण संघ

खरीद एजेंसियों ने अब तक खरीदी 506728 मीट्रिक टन गेहूं : विवेक आर्य

कुरुक्षेत्र, 25 अप्रैल (सुदेश कुमार) : अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि कुरुक्षेत्र के खरीद केन्द्रों व मंडियों में गेहूं की खरीद का कार्य खाद्य आपूर्ति, हैफेड तथा हरियाणा वेयर हाउस एजेंसी द्वारा शुरू कर दिया गया है। इन तीनों एजेंसियों ने 24 अप्रैल को देर सायं तक 506728 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद का कार्य पूरा कर लिया है। इस सीजन में गेहूं का 2585 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा है।

अहम पहलू यह है कि जिले में 291312 एमटी गेहूं का उठान कार्य पूरा किया गया है। एडीसी विवेक आर्य ने कहा कि कुरुक्षेत्र में गेहूं की खरीद करने के लिए 29 खरीद केन्द्र व मंडिया स्थापित की गई है। इन मंडियों से खाद्य आपूर्ति, हैफेड, एफसीआई और हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन की तरफ गेहूं की खरीद का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खाद्य आपूर्ति विभाग की रिपोर्ट के अनुसार इस सीजन में खाद्य आपूर्ति एजेंसी द्वारा अजराना कला में 3322, अमीन में 2710 एमटी, बाबैन मंडी में 26231 एमटी, बारना में 2757 एमटी गेहूं, भौर सैंयदा में 4321 एमटी, बोधनी में 6650 एमटी गेहूं, चढुनी जाटान में 2009 एमटी गेहूं, गुमथला गढु में 21709 एमटी, इशाक में 4615 एमटी, इस्माइलाबाद मंडी में 71293 एमटी, झांसा मंडी में 10766 एमटी, कराह साहब में 9220 एमटी, किरमच में 1944 एमटी गेहूं, थानेसर मंडी में 84978 एमटी, लाडवा मंडी से 66540 एमटी, लुखी में 3537 एमटी, मलिकपुर में 5880 एमटी, नलवी में 850 एमटी, नीमवाला में 5626 एमटी, पिहोवा मंडी में 58676 एमटी, पिहोवा एक्सटेंशन मंडी में 23504 एमटी, पिपली मंडी से 24943 एमटी, शाहबाद से 40111 एमटी गेहूं, थाना में 3270 एमटी गेहूं, ठोल मंडी से 21256 एमटी गेहूं खरीद गया है।

उन्होंने कहा कि हैफेड द्वारा अजराना कला में 3322 एमटी, बोधनी मंडी में 3888 एमटी, चढुनी जाटान मंडी में 2009 एमटी गेहूं, इस्माईलाबाद मंडी से 26251 एमटी गेहूं, झांसा मंडी में 1032 एमटी गेहूं, किरमच में 1944 एमटी, थानेसर 33533, लाडवा मंडी में 11847 एमटी, लुखी में 3537 एमटी, मलिक पुर में 5880 एमटी, पिहोवा मंडी में 21150 एमटी गेहूं, पिहोवा एक्सटेंशन में 11331 एमटी, गेहूं, पिपली मंडी में 9495 एमटी गेहूं, शाहबाद मंडी में 16239 एमटी गेहूं खरीद कार्य पूरा किया गया है। इसी तरह हरियाणा वेयरहाउस द्वारा बारना में 2757 एमटी, बोधनी में 2762 एमटी, ठोल में 6253 एमटी गेहूं खरीद कार्य को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में अधिकारियों को विशेष हिदायत दी गई है कि उठान कार्य पर विशेष फोकस रखा जाए ताकि व्यापारियों और किसानों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना आए।

उन्होंने कहा कि मंडी परिसर में किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त बिजली, पानी, सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने के आदेश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए व्यवस्था और प्रबंधन सुनिश्चित किए गए हैं। ऐसे में किसान सहभागी बनते हुए खरीद कार्य में अपना योगदान दें। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी गेहूं की फसल को अच्छी तरह से सुखाकर एवं साफ करके मंडी में लाएं।

मलेरिया से बचाव को लेकर उझाना क्षेत्र में जागरूकता अभियान

नरवाना, 25 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : जिला स्वास्थ्य विभाग जींद के निर्देशानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी उझाना के अंतर्गत सब सेंटर पीपलथा में विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्रवासियों को मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए जागरूक करने हेतु नुक्कड़ मीटिंग व जनसभाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एसएमओ उझाना डॉ. संदीप ढांडा के मार्गदर्शन में किया गया। स्वास्थ्य टीम ने आमजन को मलेरिया के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है लेकिन समय रहते सावधानी बरतकर इससे पूरी तरह बचाव संभव है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की टीम में एमपीएचडब्ल्यू अजय कुमार, एएनएम कमलेश व कविता सहित सभी आशा वर्करों ने सक्रिय भूमिका निभाई और घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया।बचाव के मुख्य उपाय बताए गए घर के आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर, गमले, टंकी, टायर व फ्रिज की नियमित सफाई करें, मच्छरदानी का प्रयोग करें शाम के समय पूरी बाजू के कपड़े पहनें,बुखार होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करवाएं स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की कि मलेरिया के प्रति लापरवाही न बरतें और बताए गए उपायों को अपनाकर खुद को व अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

जिला परिषद के वार्ड-10 के उपचुनाव में अब 5 उम्मीदवार मैदान में

करनाल, 25 अप्रैल (सुनील कुमार) : जिला परिषद के वार्ड दस के उप चुनाव में नामांकन के आखिरी दिन आज एक उम्मीदवार अक्षय ने पर्चा भरा। इस वार्ड में अब गुरमीत सिंह, बंसीलाल, सुलिंद्र कुमार, पाल सिंह और अक्षय सहित पांच उम्मीदवार मैदान में हैं। सरपंच पद के स्वर्ण माजरा में छह, कुंजपुरा में चार, रिसालवा (असंध) में तीन उम्मीदवार मैदान में हैं। नीलोखेड़ी के गोविंदगढ़ गांव में किसी भी व्यक्ति ने नामांकन नहीं भरा। इसी प्रकार जिला में पंच के 19 पदों के लिए दस मई को चुनाव होना है। अराईपुरा में पंच के लिए एक, बिलौना में तीन, बाहरी में दो, रूकसाना में एक, फतेहगढ़ में एक, राजेपुर में एक, गिटलपुर में एक और अंगोध में कुल दो उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किये हैं। तरावड़ी नगर पालिका के वार्ड आठ में केवल एक उम्मीदवार बीर सिंह ने नामांकन पत्र भरा है। इन सभी पदों के लिए चुनाव दस मई को कराया जाएगा। नामांकन पत्रों की छंटनी 27 अप्रैल को की जाएगी। अगले दिन यानी 28 अप्रैल को सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। इसी दिन चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। तीन बजे के बाद चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे।

परीक्षार्थियों के अभिभावकों के लिए धर्मशालाओं की व्यवस्था

करनाल, 25 अप्रैल (प्रवीन) : हरियाणा लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को आयोजित की जाने वाली एचसीएस परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने जहां परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर पुख्ता इंतजाम किए हैं वहीं परीक्षार्थियों के साथ आने वाले अभिभावकों की भी चिंता की है। प्रशासन ने अभिभावकों के ठहरने के लिए शहर की कई धर्मशालाओं में व्यवस्था की है।

डी.सी डॉ. आनंद कुमार शर्मा के अनुसार अभिभावक पुराना बस अड्डा के पास रोड धर्मशाला, अस्पताल रोड ब्राह्मण धर्मशाला, गौड़ धर्मशाला जुंडला गेट, अग्रवाल व काम्बोज धर्मशाला रेलवे रोड, अंबेडकर भवन सेक्टर 16 और वाल्मीकि भवन सेक्टर 9 में ठहर सकते हैं। परीक्षार्थी पहली पारी की परीक्षा के बाद दो-ढाई घंटे का समय इनमें ठहर कर बिता सकते हैं। सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं से भी अपील की है कि परीक्षा केंद्रों के नजदीक की इन धर्मशालाओं में अभिभावकों व परीक्षार्थियों के लिए चाय-पानी की व्यवस्था करें।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की विशेष बैठक में बड़े फैसले, अनुशासनहीनता पर सख्त कार्रवाई: हरमीत सिंह कालका

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (अमृतपाल) दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने आज यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि आज दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की एक विशेष बैठक बुलाई गई थी। सभी सदस्यों को आमंत्रित किया गया था, चाहे वे हमारी पार्टी से संबंधित हों या किसी दूसरी पार्टी से। इस बैठक में 38 सदस्य शामिल हुए।

उन्होंने बताया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की बैठक का एजेंडा लिखित रूप में 15 दिन पहले भेजा गया था। इसमें पहला बिंदु 25 अक्टूबर 2025 को हुई कार्रवाई की पुष्टि से संबंधित था। दूसरा बिंदु श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार द्वारा जिस प्रकार से दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को बुलाया गया था और उस कार्रवाई पर जो आपत्ति जताई गई थी, उस पर उनके साथ विचार-विमर्श किया गया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने यह मुद्दा संगत के साथ विचार करने के लिए रखा। तीसरा बिंदु स्कूलों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने और स्टाफ को उनका बनता हुआ बकाया, यानी एरियर, दिलाने से संबंधित था। कमेटी ने अदालत में जो मामला दायर किया था, उसकी जानकारी भी सभी सदस्यों को दी गई। सभी को, यानी हमारे साथियों को भी और विपक्षियों को भी, यह बताया गया कि यदि किसी को इस पर कोई आपत्ति है तो वह दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से बात करे।जब पहले एजेंडे पर चर्चा शुरू हुई, उससे पहले हमने श्री अकाल

तख्त साहिब के जत्थेदार साहिब से संबंधित मुद्दा उठाया। हमने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार साहिब ने पिछली बैठक में, क्योंकि हमें कोई औपचारिक निमंत्रण नहीं मिला था और बैठक शुरू होने के बाद एक सदस्य के माध्यम से निमंत्रण भेजा गया था, कमेटी की बैठक को स्थगित करने को कहा था। इसके बाद जब हम व्यक्तिगत रूप से उनसे मिले, तो उन्होंने हमें कहा था कि इसे अगली कार्रवाई में पारित कर दें। इसलिए हमने वह एजेंडा रखा और सभी सदस्यों ने यह बात रखी कि जत्थेदार साहिब को पूरी जानकारी भेजी जाए कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी संगत द्वारा चुनी हुई कमेटी है, जिसका उद्देश्य गुरुद्वारों की सेवा करना और धर्म के प्रचार-प्रसार का कार्य करना है। यह बैठक कमेटी चलाने के लिए है, न कि यहां व्यापारिकरण करने या अपने परिवारों और बच्चों के नाम पर कंपनियां बनाकर लाभ कमाने के लिए। इसी कारण दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सभी सदस्यों ने यह फैसला लिया कि 25 अक्टूबर की कार्रवाई, जिसे हमने एजेंडे के रूप में पारित किया था, उसे श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार साहिब को भी नोट करके रखने और देखने के लिए अनुरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इतने बड़े अपराध, और विशेष रूप से 25 अक्टूबर की कार्रवाई के बाद, नवंबर महीने में सरदार मंजीत सिंह जीके के खिलाफ दर्ज एफआईआर में उन्हें 50 हजार रुपये की जमानत लेनी पड़ी। यह जानकारी कमेटी पहले ही प्रेस के माध्यम से लोगों तक पहुंचा चुकी है। अदालत ने आदेश दिए हैं कि वे देश को बिना सूचना दिए न छोड़ें और हर पेशी पर स्वयं अदालत में उपस्थित हों।

उन्होंने कहा कि ये सभी बातें दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के इतिहास में पहले कभी नहीं हुईं कि किसी पूर्व अध्यक्ष पर चोरी के आरोप लगें, गुरुद्वारा फंड बाहर ले जाने के आरोप लगें, और उन आरोपों के आधार पर एफआईआर दर्ज हों। इसलिए इन सभी प्रस्तावों को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सभी 38 सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। साथ ही श्री अकाल तख्त साहिब को अनुरोध भेजने के लिए यह भी तय किया गया कि आगे की कार्रवाई के बारे में भी उन्हें पूरी जानकारी दी जाएगी। इसके बाद स्कूलों के स्टाफ के साथ किए गए एमओयू के बारे में पूरी जानकारी महासचिव द्वारा दी गई।

बिटडेल्टा इंडिया ने पेश की इंस्टीटयूशनल ग्रेड की डिजिटल एसेट सुविधाएं

चंडीगढ़ 25 अप्रैल (मधु राजपूत सपना) बिटडेल्टा इंडिया नाम का एक नया क्रिप्टो ट्रेडिंग ऐप आज से भारत में शुरू हो गया है। इस कंपनी के लिए आपकी सुरक्षा और सुविधा सबसे ज्यादा जरूरी है। सबसे अच्छी बात यह है कि इन्होंने भारत सरकार की एफआईयू-इंड संस्था के साथ रजिस्ट्रेशन कराया है, जिसका मतलब है कि यहाँ आपका पैसा और जानकारी पूरी तरह सुरक्षित और कानूनी है। इनका लक्ष्य यही है कि भारतीय लोग बिना किसी डर के और सही तरीके से क्रिप्टो में निवेश कर सकें। अब भारतीयों के पास ट्रेडिंग के लिए एक भरोसेमंद और पक्का ठिकाना है। भारत दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेज़ी से बढ़ते क्रिप्टो बाज़ारों में से एक है। यहाँ करीब 11.9 करोड़ लोग रजिस्टर्ड हैं और अब बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) के लोग भी इसमें खूब दिलचस्पी ले रहे हैं। जैसे-जैसे यह मार्केट बड़ा हो रहा है, लोगों की सोच भी बदल रही है। अब लोग सिर्फ निवेश करना नहीं चाहते, बल्कि यह भी देख रहे हैं कि जिस प्लेटफॉर्म का वो इस्तेमाल कर रहे हैं वो कितना सुरक्षित है, कितना भरोसेमंद है और सरकारी नियमों का पालन करता है या नहीं। अब भारतीयों के लिए भरोसा सबसे पहली प्राथमिकता बन गया है।

इस लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए बिटडेल्टा इंडिया के सीईओ विकास एम सचदेवा ने कहा, भारत का क्रिप्टो मार्केट अब काफी समझदार हो गया है। यहाँ निवेश करने वाले लोग अब सिर्फ मुनाफे के पीछे नहीं भाग रहे, बल्कि वे भरोसा, सही सिस्टम और लंबे समय की सुरक्षा चाहते हैं। हमने %बिटडेल्टा इंडिया% को इसी बदलाव को ध्यान में रखकर बनाया है। हमारा पूरा ढांचा सुरक्षा और सरकारी नियमों पर टिका है, ताकि हमारे यूजर्स पूरे आत्मविश्वास के साथ और बिना किसी चिंता के निवेश कर सकें।इस एक्सचेंज पर आप सीधे भारतीय रुपयों में ट्रेड कर सकते हैं, चाहे वह स्पॉट मार्केट हो या डेरिवेटिव्स। इसका सिस्टम इतना तेज़ और एडवांस है कि मार्केट में कितनी भी उथल-पुथल हो, आपके सौदे बिना अटके तुरंत पूरे होंगे। अनुभवी ट्रेडर्स के लिए यहाँ एपीआई की सुविधा है, तो नए लोगों के लिए जुड़ने का तरीका बहुत आसान रखा गया है। साथ ही, आपकी किसी भी समस्या को सुलझाने के लिए इनकी टीम 24/7 (दिन-रात) सेवा में हाज़िर है। बिटडेल्टा इंडिया की सबसे बड़ी खूबी इसकी मजबूत सुरक्षा है, जो बड़े बैंकों और संस्थाओं के लेवल की है। आपके पैसों को सुरक्षित रखने के लिए इन्होंने फायरब्लॉक्स जैसी आधुनिक तकनीक और डिजिटल तिजोरी (कोल्ड स्टोरेज) का इस्तेमाल किया है। यहाँ हर लेन-देन पर कड़ी नज़र रखी जाती है और कई लेवल की चेकिंग होती है। इनकी सुरक्षा को हैकेन द्वारा एएए रेटिंग दी गई है और इनके पास आईएसओ और एसओसी 2जैसे इंटरनेशनल सर्टिफिकेट भी हैं।भारत में लॉन्च के मौके पर %बिटडेल्टा% के ग्रुप सीईओ डॉ. डिमेट्रिओस झाम्भोग्लू ने कहा- जैसे-जैसे कोई भी बिजनेस क्षेत्र पुराना और समझदार होता है।

युवा कांग्रेस सड़कों पर उतरकर युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी : निशित कटारिया

बाबैन, 25 अप्रैल (राजेश कुमार) : हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने आज बाबैन के रॉयल पैलेस में आयोजित विधानसभा कार्यकारिणी बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तय करने तथा युवाओं से जुड़ेमहत्वपूर्ण मुद्दों को सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष प्रिंस घिसरपड़ी सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्ताओं और युवाओं ने भाग लिया। इस मौके पर नवनियुक्त हल्का महासचिव मोहन नख़रोजपुर का फूलमाला डालकर अभिनंदन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया के आगमन पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया और संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने विधानसभा कार्यकारिणी की समीक्षा करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि वे घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा को आमजन तक पहुंचाएं तथा युवाओं को संगठन से जोड़ने का कार्य करें। कटारिया ने कहा कि युवा कांग्रेस की असली ताकत उसके सक्रिय कार्यकर्ता हैं, जो हर परिस्थिति में जनता के बीच रहकर उनके मुद्दों को उठाते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे राहुल गांधी की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं और संगठन को और अधिक मजबूत बनाएं।

प्रदेश अध्यक्ष ने भाजपा सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश में बढ़ती बेरोजगारी, युवाओं के लिए अवसरों की कमी और एचपीएससी भर्तियों में अनियमितताओं ने युवाओं को निराश किया है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर चुप नहीं बैठेगी, बल्कि सड़कों पर उतरकर युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हरियाणा युवा कांग्रेस अब जनहित के हर मुद्दे को मजबूती से उठाएगी और सरकार को जवाबदेह बनाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है, जिसका जवाब अब संगठित युवा कांग्रेस कार्यकर्ता देंगे। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता जयपाल पांचाल ने भी अपने विचार रखते हुए युवाओं से आह्वान किया कि वे आगे आएं और जनहित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएं। बैठक में जिला अध्यक्ष कुलदीप ढिल्लो, भगवंत विर्क, अवतार जालखेड़ी, गुरप्रताप कंदोली, रामपाल सैनी, सिलेंडर रामनगर, मोहन नखरोजपुर, प्रदीप संघोर, जितेंद्र फालसंडा, मनीष सांगवान, प्रवीण सिंगला, गांधी फालसडा सहित अनेक युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एचसीएस परीक्षा को लेकर नोडल अधिकारियों के साथ बैठक

करनाल, 25 अप्रैल (परमजीत कौर) : हरियाणा लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को आयोजित की जाने वाली एचसीएस परीक्षा को लेकर आज डी.सी डा. आनंद कुमार शर्मा ने जिला सचिवालय में परीक्षा के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की और जरूरी निर्देश दिए। इससे पहले उन्होंने पुलिस अधीक्षक व एडीसी के साथ करीब आधा दर्जन परीक्षा केंद्रों का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। नोडल अधिकारियों के साथ बैठक में परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर सरकार पूरी तरह से गंभीर है। करनाल में परीक्षा के लिए 49 केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी नोडल अधिकारी ड्यूटी

मजिस्ट्रेट व सेंटर सुपरवाइजर से संपर्क में रहें। परीक्षा केंद्रों का दौरा कर सीसीटीवी कैमरे, जैमर की स्थापना, बिजली-पानी, जनरेटर, शौचालय जैसी मूल सुविधाओं की स्थापना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि रविवार को दोनों सत्रों में परीक्षा से एक घंटा पहले परीक्षा केंद्रों का जरूर दौरा करें। डा. आनंद कुमार शर्मा ने नोडल अधिकारियों से कहा कि परीक्षा केंद्रों के आसपास कोचिंग सेंटर व फोटो स्टेट की दुकानों को बंद रखने के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। फिर भी नोडल अधिकारी दौरा कर यह सुनिश्चित करें कि कहीं कोई दुकान खुली न हो। यदि कोई आदेशों का उल्लंघन करता मिले तो उसके खिलाफ फौरन कार्रवाई करें। केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि नजर आने पर फौरन उनके संज्ञान में लाएं। उन्होंने कहा कि जिन परीक्षा केंद्रों के आसपास मार्किट के कारण ट्रैफिक जाम की आशंका है वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि भूलवश कोई परीक्षार्थी गलती से दूसरे सेंटर पर पहुंच जाए तो नोटिस में आने के बाद उसे मानवीय आधार पर मूल सेंटर में पहुंचाने में मदद करें। उपायुक्त ने बताया कि परीक्षार्थियों के साथ आने वाले अभिभावकों के बैठने के लिए परीक्षा केंद्रों के आसपास की धर्मशालाओं में व्यवस्था की गई है। प्रथम पारी की परीक्षा के बाद परीक्षार्थी भी दो-तीन घंटे यहां बिता सकते हैं। सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं से अपील की है कि परीक्षा केंद्रों के आसपास की धर्मशालाओं अथवा स्कूलों का उपयोग करने वाले अभिभावकों व परीक्षार्थियों के लिये चाय-पानी की व्यवस्था करें। बैठक में एडीसी डा. राहुल रईया, घरौंडा के एसडीएम राजेश सोनी, करनाल देवेंद्र शर्मा, नीलोखेड़ी के अशोक कुमार, सीटीएम मोनिका, चीनी मिल एमडी अदिति, इंद्री एसडीएम डा. रमन गुप्ता, डीएमसी विनोद नेहरा आदि मौजूद रहे। परीक्षा केंद्रों का दौरा- इससे पहले उपायुक्त ने एसपी नरेंद्र बिजारणिया व अतिरिक्त उपायुक्त डा. राहुल रईया के साथ डीएवी पीजी कॉलेज, एसडी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जैन गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, डीएवी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और निशान पब्लिक स्कूल का दौरा कर वहां परीक्षा संबंधी प्रबंधों का जायजा लिया।

गौरतलब है कि जिला के 48 परीक्षा केंद्रों पर कल सुबह दस से बारह और दोपहर बाद तीन से पांच बजे तक एचसीएस पदों के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षार्थी सुबह 8.30 से 9.50 और दूसरी पारी में 1.30 से 2.30 तक केंद्र में प्रवेश कर सकते हैं।

दयालु योजना के तहत मृत्यु या दिव्यांग होने पर दी जाती है आर्थिक सहायता : डी.सी

करनाल, 25 अप्रैल (यशपाल कादियान) : डी.सी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है।

इस योजना के तहत एक लाख 80 हजार सालाना आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता पर आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत विभिन्न श्रेणी में एक लाख रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत मृतक व्यक्ति की आयु 6 से 60 वर्ष तक होनी चाहिए। परिवार के द्वारा मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता की स्थिति में घटना की तिथि से तीन महीने के भीतर आवेदन करना होगा। आयु अनुसार बात करें तो छह से 12 वर्ष तक की आयु के लिए एक लाख रुपये, 12 से 18 वर्ष तक की आयु के लिए दो लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष तक की आयु के लिए तीन लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष तक की आयु के लिए 5 लाख रुपये तथा 45 से 60 वर्ष तक की आयु के लिए 3 लाख रुपये आर्थिक सहायता दी जाती है।

ऐसे करें आवेदन : डी.सी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र व्यक्ति को www.dapsy.finhry.gov.in वैबसाईट पर जाकर आवेदन करना होगा।

इसके बाद पीपीपी आईडी नंबर दर्ज करें और गेट ओटीपी पर क्लिक करें। ओटीपी दर्ज करने के बाद उसे सबमिट करें।

इसके बाद परिवार के सदस्यों को प्रदर्शित किया जाएगा, फिर लाभार्थी आवश्यक व्यक्तिगत विवरण भरने के बाद फार्म जमा कर सकते हैं।

एजेंटों से सावधान रहें और धोखाधड़ी से बचें : डी.सी डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने आमजन से आह्वान किया कि ऐसी स्थिति में पात्र व्यक्ति दयालु योजना के तहत आर्थिक सहायता प्राप्त करें।

एजेंटों से सावधान रहें और धोखाधड़ी से बचें। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2996024 तथा ईमेल dayalu helpline@gmail.com पर संपर्क कर सकता है।

माय भारत केंद्र, कुरुक्षेत्र द्वारा जल संरक्षण कार्यक्रम किया आयोजित

कुरुक्षेत्र, 25 अप्रैल (करणदीप सिंह) : माय भारत केंद्र द्वारा नालंदा सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिवानी खेड़ा में जल संरक्षण विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करना और उन्हें जल बचाने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाकर की गई। इसके बाद बच्चों को जल संरक्षण से संबंधित एक जानकारीपूर्ण प्रस्तुति दिखाई गई, जिसमें जल की उपयोगिता, जल संकट और जल बचाने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने जल संरक्षण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।माय भारत केंद्र, कुरुक्षेत्र की उपनिदेशक सुश्री सुरमयी शर्मा ने डिजिटल माध्यम से विद्यार्थियों को जल का महत्व समझाया और जल संरक्षण को जीवन का आवश्यक हिस्सा बनाने पर बल दिया। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य सर्जंत सिंह ने विद्यार्थियों को जल बचाने और दैनिक जीवन में जल संरक्षण के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में निबंध लेखन प्रतियोगिता में कक्षा नौवीं की प्रगति ने प्रथम, कक्षा नौवीं की निष्ठी सैनी ने द्वितीय व कक्षा बारहवीं की भक्ति ने तृतीय स्थान प्राप्त कर महिला सशक्तिकरण को सिद्ध किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के विज्ञान शिक्षक सरित सैनी, मेरा युवा भारत केंद्र, कुरुक्षेत्र के स्वयंसेवकों प्राची शर्मा, हिमांशी, किरणदीप कौर, सुमित मलान, मीनाक्षी कांत, शुभम और रुद्रांश सोनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आईसीयू में किडनी मरीजों के लिए सीआरआरटी बना अहम उपचार विकल्प

अमृतसर 25 अप्रैल (मधु राजपूत) गंभीर रूप से बीमार मरीजों के किडनी उपचार में कॉन्टीन्यूस रेनाल रिप्लेसमेंट थेरेपी (सीआरआरटी) एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में उभर रही है। फोर्टिस हॉस्पिटल के डॉ. फयाज़ अहमद वानी के अनुसार, पारंपरिक डायलिसिस जहां कुछ घंटों में तेजी से खून की सफाई करता है, वहीं सीआरआरटी एक धीमी और निरंतर प्रक्रिया है, जो 24 घंटे या उससे अधिक समय तक चलती है। उन्होंने बताया कि यह तकनीक खासतौर पर उन मरीजों के लिए अधिक उपयुक्त है जिनका ब्लड प्रेशर अस्थिर होता है या जो सामान्य डायलिसिस सहन नहीं कर पाते। सीआरआरटी शरीर से अतिरिक्त तरल पदार्थ, विषैले तत्व और अपशिष्ट को धीरे-धीरे निकालते हुए किडनी के प्राकृतिक कार्यों की तरह काम करती है।

डॉ. वानी के अनुसार, इसका उपयोग एक्यूट किडनी इंजरी, सेप्सिस, मल्टी-ऑर्गन फेल्योर और ब्रेन में सूजन जैसी गंभीर स्थितियों में किया जाता है। इसके अलावा, यह उन मरीजों में भी कारगर है जो वेंटिलेटर या ईसीएमओ सपोर्ट पर होते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया शरीर पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालती, जिससे जटिलताओं का खतरा कम होता है और इलेक्ट्रोलाइट व फ्लूड संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। आईसीयू में इसके बढ़ते उपयोग के साथ सीआरआरटी गंभीर मरीजों की देखभाल में अहम भूमिका निभा रही है।

फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने जेईई मेन 2026 सैशन 2 के टॉपर्स की सफलता का बड़े स्तर पर जश्न मनाया

रोहतक 25 अप्रैल (मधु राजपूत सपना) देशभर के फिज़िक्सवाला विद्यापीठ केंद्रों पर उत्सव का माहौल देखने को मिला, जहां हाल ही में घोषित जेईई मेन 2026 सैशन 2 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर छात्रों की सफलता का जश्न मनाया गया।शीर्ष स्कोरर्स में मुंबई के भायंदर के छात्र साहिल प्रधान शामिल रहे, जिनकी ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 94 है। प्रधान के अलावा, गुराशीश सिंह चड्ढा (एआईआर 112 - उत्तराखंड स्टेट टॉपर) और हरियाणा के नमन वर्मा, जो एक किसान के बेटे हैं और जिन्होंने ऑनलाइन ड्रॉपर बैच से कुछ ही महीनों की तैयारी में एआईआर 243 हासिल की, जैसे छात्रों के प्रदर्शन का भी जश्न मनाया गया। इसके अतिरिक्त, हेमाक्षी कुमार (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह), विष्णु भारद्वाज उपाध्याय (मेघालय) और रोहित शर्मा (हिमाचल प्रदेश) जैसे कई छात्रों ने अपने-अपने राज्यों में टॉप किया।रितेश कुमार (99.77 - एआईआर 3766) रोहतक के पीडब्ल्यू विद्यापीठ के शीर्ष छात्रों में रहे।अलख पांडे, शिक्षक, संस्थापक एवं सीईओ , फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने कहा, हम जेईई मेन 2026 में शामिल होने वाले सभी छात्रों पर गर्व करते हैं और विशेष रूप से उन छात्रों को बधाई देना चाहते हैं जिन्होंने उच्च अंक प्राप्त किए हैं। आपकी मेहनत और समर्पण सराहनीय है। जिन छात्रों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले, उनके लिए यह सिर्फ शुरुआत है। अपनी गलतियों का विश्लेषण करें, तैयारी को मजबूत करें और अपने लक्ष्य की ओर लगातार प्रयास करते रहें। हम आपको निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन देते रहेंगे।ये छात्र पीडब्ल्यू के विभिन्न लर्निंग प्रोग्राम्स का हिस्सा रहे, जिनमें विद्यापीठ जैसे ऑफलाइन केंद्र,पाठशाला जैसे हाइब्रिड केंद्र और ऑनलाइन बैच शामिल हैं, जहां हर छात्र ने अपनी सुविधा के अनुसार माध्यम चुना। यह फिज़िक्सवाला के इंटीग्रेटेड शिक्षा दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें डिजिटल और फिज़िकल प्लेटफॉर्म्स को जोड़कर प्रभावी लर्निंग अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया जाता है।जेईई मेन 2026 सैशन 2 का आयोजन भारत के 304 शहरों में स्थित लगभग 566 केंद्रों और विदेश के 14 शहरों में किया गया, जिसमें करीब 11.23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए।

नेस्ले इंडिया ने लगभग एक दशक में सबसे मजबूत तिमाही वृद्धि दर्ज की डबल-डिजिट वॉल्यूम ग्रोथ से मिली मजबूती

चंडीगढ़ 25 अप्रैल (मधु राजपूत सपना) नेस्ले इंडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने आज 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही और आर्थिक वर्ष के लिए (स्टैंडअलोन और कंसोलिडेटेड)आर्थिक परिणामों को मंजूरी दी। स्टैंडअलोन परिणामों का विवरण नीचे दिया गया है- स्टैंडअलोन परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, नेस्ले इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मनीष तिवारी ने कहा, मुझे यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि इस तिमाही में नेस्ले इंडिया ने उच्च डबल-डिजिट वृद्धि दर्ज की और 6,445 करोड़ रुपये के साथ अपनी अब तक की सबसे अधिक घरेलू बिक्री हासिल की। यह प्रदर्शन डबल-डिजिट वॉल्यूम ग्रोथ से संभव हुआ, जिसे विज्ञापन खर्च में 50त्न से अधिक वृद्धि का समर्थन मिला, और इसके साथ ही 26.3त्न का स्वस्थ ईबीआईटीए मार्जिन भी बनाए रखा गया।तिमाही के दौरान कुल बिक्री और घरेलू बिक्री में क्रमशः 23.4त्न और 23.1त्न की वृद्धि दर्ज की गई। उत्साहजनक रूप से, इस प्रदर्शन में सभी उत्पाद समूहों का योगदान रहा। चुनौतीपूर्ण बाहरी परिस्थितियों के बीच उपभोक्ताओं की सेवा जारी रखते हुए, मैं हमारी टीम के सहयोगियों के निरंतर सहयोग और साझा उद्देश्य के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। पैठ बढ़ाने और प्रीमियम उत्पादों पर ध्यान, साथ ही संसाधनों के अनुशासित उपयोग और मजबूत निष्पादन ने इस वृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 1 मार्च 2026 को समाप्त आर्थिक वर्ष के दौरान, हमने बुनियादी बातों पर अपना ध्यान बनाए रखा और मजबूती के साथ एक्सेक्यूट किया, जिसके परिणामस्वरूप डबल-डिजिट, वॉल्यूम-आधारित वृद्धि और मजबूत बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हासिल हुई। पिछले पांच वर्षों में, हमारे प्रमुख ब्रांड मैगी नूडल्स ने बाजार में अपनी नेतृत्व स्थिति को लगातार बनाए रखा है, जबकि किटकैट और नेस्केफे ने अपनी बाजार हिस्सेदारी में तेज़ी से वृद्धि की है।हमने अपनी स्ट्रक्चरल कॉस्ट -एफिशिएंसी पहल में प्रगति की और अब तक की सबसे अधिक परिचालन लागत बचत हासिल की, जिससे ब्रांड्स में अधिक पुनर्निवेश संभव हुआ और सेल्स व ऑपरेशंस में डिजिटल तथा टेक्नोलॉजी-आधारित क्षमताओं को तेज़ी मिली। हमने लाभप्रदता और नकदी सृजन पर कड़ा अनुशासन बनाए रखा और बढ़ती उपभोक्ता तथा ग्राहक मांग को पूरा करने और भविष्य की वृद्धि को समर्थन देने के लिए विवेकपूर्ण तरीके से क्षमता उन्नयन और विस्तार जारी रखा।

अनुभवी स्वास्थ्य मित्र चैरिटेबल ट्रस्ट नरवाना की मासिक बैठक सफल

नरवाना, 25 अप्रैल (नरेन्द कुमार) : अनुभवी स्वास्थ्य मित्र चैरिटेबल ट्रस्ट हरियाणा की मासिक बैठक शनिवार को मितासो होटल नरवाना में सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

बैठक में संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला जींद प्रधान डॉ. सुरेश मलिक, ब्लॉक प्रधान डॉ. मेजर सिंह, डॉ. दिलबाग मोर, डॉ. महावीर शर्मा तथा डॉ. मनजीत दनौदा विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सभी वक्ताओं ने अनुभवी साथियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी प्रैक्टिस को साफ-सुथरे और पारदर्शी तरीके से संचालित करें, नशे से दूर रहें तथा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करें।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अल्पसंख्यक समाज के जिला प्रधान सरदार गुरलाल सिंह रसीदां ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया।

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में अनुभवी स्वास्थ्य साथियों द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया।इस अवसर पर दनौदा ब्लॉक प्रधान डॉ. संदीप खरकिया और डॉ. सतीश डोहाना खेड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए और संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक का समापन संगठन की एकजुटता और सामाजिक सेवा के संकल्प के साथ किया गया।

भगत पब्लिक स्कूल में आयोजित हुई बीपीएस क्रिकेट लीग में मास्टर ब्लास्टर की टीम बनी विजेता

सिरसा, 25 अप्रैल (ब्यूरो) : पूरे जिला में शिक्षा के साथ साथ खेलों में अपनी अलग पहचान स्थापित करने वाले भगत पब्लिक स्कूल संतनगर में बीपीएस क्रिकेट लीग करवाई गई, जिसमें चार टीमें मास्टर ब्लास्टर, चैंपियन चार्जर, यंग वारियर और राइजिंग रोयल्स ने भाग लिया। सभी टीमो के बीच ज़बरदस्त मुकाबले हुए। अंतिम दिन यंग वारियर और मास्टर ब्लास्टर के बीच फाइनल मैच खेला गया। जिसमें यंग वारियर ने पहले बेटिंग करते हुए 8 ओवरों में 40 रन बनाए, मास्टर ब्लास्टर की टीम ने निर्धारित ओवरों में 41 रन बनाकर यह मैच अपने नाम किया और इस लीग की पहली विजेता टीम होने का गौरव हासिल किया। इस क्रिकेट लीग में लक्षवीर को टूर्नामेंट का बेस्ट प्लेयर अवार्ड मिला जबकि मैन ऑफ़ दी सीरीज करतार सिंह रहे। स्कूल के डायरेक्टर हरजिंदर सिंह भंगू व प्रिंसीपल नवप्रीत सिंह भंगू ने कहा कि स्कूल के बच्चों को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे है ताकि उनके छुपी हुई खेल प्रतिभाएं सामने आ सकें। इस मौके पर मुख्य अतिथियों ने विजेता खिलाडियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया और भविष्य में खेलों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रगट सिंह, कंवलजीत सिंह, जसपालजीत सिंह, कश्मीर सिंह, हरमीत सिंह, मोनिंदर पाल सिंह, गौतम सिंह सहित अपने समय के पुराने खिलाड़ी मौजूद रहे, जिन्हें स्कूल प्रबंधन द्वारा ट्राफी देकर सम्मानित किया गया।

खिलाड़ी करतार सिंह मैन ऑफ दी सीरीज बने

शैक्षिक भ्रमण पर गए मदर टीचर स्कूल के छात्र

बरनाला, 25 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) मदर टीचर स्कूल, बरनाला दिनांक 25 अप्रैल, 2026 को कक्षा ग्यारहवीं कॉमर्स के विद्यार्थियों को ट्राइडेंट ग्रुप के ब्रांच का शैक्षिक भ्रमण करवाया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्योग जगत की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने कपड़े (फैब्रिक) बनने की पूरी प्रक्रिया को करीब से देखा और समझा। उन्हें बताया गया कि कच्चे धागे से लेकर तैयार कपड़े तक का निर्माण कैसे किया जाता है। साथ ही, ट्राइडेंट ग्रुप के कार्य-प्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण और उत्पादन तकनीकों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। यह भ्रमण कॉमर्स की अध्यापिका श्री मती विशाल धरनी और श्री लवप्रीत सिंह जी की निगरानी में हुआ। विद्यार्थियों ने इस अनुभव को बहुत ज्ञानवर्धक बताया। शिक्षकों के अनुसार, इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण से विद्यार्थियों का व्यावहारिक ज्ञान बढ़ता है और उन्हें अपने करियर के प्रति नई दिशा मिलती है। इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल श्री दलजीत सिंह जी ने कहा कि इस तरह के शैक्षिक भ्रमण हम भविष्य में भी करवाते रहेंगे।

जिला पुलिस की सेफ टीम ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय धर्मकोट में किया छात्र/छात्राओं को जागरुक

यमुनानगर, 25 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए जिला पुलिस द्वारा छात्र/छात्राओं को महिला विरुद्व होने वाले अपराधों और उनसे बचने के बारे में जागरुक किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत शनिवार को जिला पुलिस की सेफ सिटी टीम द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालय धर्मकोट में छात्राओं को जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं एवं छात्राओं को महिला-विरुद्ध अपराधों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी और सतर्क रहने के उपाय समझाए। अभियान के तहत सेफ सिटी टीम की एएसआई नीलम ने छात्राओं को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार को सेफ सिटी की टीम राजकीय माध्यमिक विद्यालय धर्मकोट में पहुंची जहां पर छात्राओं को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक किया किया।

पुलिस टीम ने छात्राओं को गुड टच और बैड टच की पहचान के बारे में विस्तार से बताया गया ताकि वे किसी भी असहज स्थिति को समझ सकें और तुरंत मदद ले सकें। साथ ही,आत्मविश्वास बढ़ाने और संकट की स्थिति में स्वयं की सुरक्षा के लिए सेल्फ डिफेंस तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। पुलिस टीम ने छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों, आपातकालीन सहायता और कानून द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा के बारे में भी अवगत कराया।

इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में जागरूकता बढ़ाना, आत्मरक्षा कौशल विकसित करना और उन्हें सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाना है। पुलिस की टीम ने जानकारी देते हुए कहा कि महिला विरुद्ध होने वाले अपराधो की सूचना किसी भी थाना के महिला हेल्प डेस्क, महिला थाना, महिला हैल्पलाईन नम्बर 1091 या डायल 112 पर दी जा सकती है। सूचना पर पुलिस तुरन्त कारवाई करेगी।

पुलिस टीम ने महिला विरुद्ध होने वाले अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी ताकि महिला विरुद्ध अपराधों पर रोक लग सके। पुलिस टीम ने छात्राओं को सडक सुरक्षा तथा साईबर अपराधों बारे भी जागरूक किया।

एसबीएस पब्लिक स्कूल सुरजीतपुरा में छात्र कौंसिल के चुनाव संपन्न

बरनाला, 25 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) एसबीएस पब्लिक स्कूल सुरजीतपुरा ने स्टूडेंट्स में लीडरशिप की क्वालिटी डेवलप करने और डेमोक्रेटिक सिस्टम के बारे में जानकारी देने के मकसद से स्टूडेंट काउंसिल के चुनाव करवाए। इस चुनाव प्रोसेस में हाउस कैप्टन, हेड गर्ल, हेड बॉय, स्पोर्ट्स हेड गर्ल, स्पोर्ट्स हेड बॉय और डिसिप्लिन इंचार्ज के पदों के लिए चुनाव हुए। इस मौके पर क्लास 7वीं से 9वीं तक के स्टूडेंट्स ने अपने नाम रजिस्टर करवाए। उम्मीदवारों ने चुनाव के दौरान बहुत एक्टिव रोल निभाया और वोट पाने के लिए कैंपेन किया। अपना मैनिफेस्टो पेश करते हुए उन्होंने स्कूल को डेवलप करने, डिसिप्लिन को मजबूत करने, स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने और स्टूडेंट्स की प्रॉब्लम को सुनने और सॉल्व करने का वादा किया। स्कूल में वोटिंग का पूरा प्रोसेस बहुत ही आसान और डिसिप्लिन में पूरा हुआ। स्टूडेंट्स में वोट देने का खास जोश था और हर स्टूडेंट ने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए हिस्सा लिया। इस मौके पर टीचर नारायण गर्ग ने स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे चुनावों से स्टूडेंट्स डेमोक्रेटिक सिस्टम की असली अहमियत समझते हैं। उन्होंने कहा कि वोट का अधिकार हर नागरिक के लिए बहुत कीमती है और इसका सही इस्तेमाल करना सबकी ज़िम्मेदारी है। ऐसी एक्टिविटीज़ से स्टूडेंट्स में सोशल ज़िम्मेदारी और अवेयरनेस बढ़ती है। वाइस प्रिंसिपल डॉ. संजय कुमार जी ने अपने संबोधन में कहा कि ये चुनाव स्टूडेंट्स के लिए एक ज़रूरी अनुभव हैं, जिससे वे भविष्य में एक ज़िम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। उन्होंने स्टूडेंट्स को अपनी ड्यूटी ईमानदारी से निभाने के लिए मोटिवेट किया। स्कूल प्रिंसिपल कमलजीत कौर जी ने कहा कि ऐसे चुनावों से स्टूडेंट्स में सहयोग और आत्मविश्वास के गुण बढ़ते हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालतों में किसी पक्ष की हार-जीत की बजाए दोनों पक्षों की आपसी सहमति से करवाया जाता है विवादों का समाधान

कुरुक्षेत्र, 25 अप्रैल (सुदेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 9 मई 2026 को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परिवादी इस नेशनल लोक अदालत में सुलह व समझौते के लिए स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने केसों का निस्तारण करा सकते है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 9 मई को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण कर सकता है। लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है। इससे शीघ्र व सुलभ न्याय, कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा, समय की बचत जैसे लाभ मिलते है। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से हल हो सकने वाले मामलों में लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की जा सकती। लोक अदालत में सस्ता और सुलभ न्याय मिलता है। इन राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों में ना तो किसी पक्ष की हार होती है और ना ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है।

ब्रिलियंट स्कूल पाखोकलां में हाउस चुनाव प्रक्रिया शुरु, छात्रों को मिली प्रेरणा

बरनाला, 25 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) ब्रिलियंट स्कूल पाखो कलां, जो कि संत बाबा चरणपुरी और एम.डी. मैडम कर्मजीत कौर देओ के नेतृत्व में संचालित हो रहा है, में विद्यार्थियों में नेतृत्व की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए हाउस सेरेमनी की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस उद्देश्य के तहत विद्यार्थियों को चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।स्कूल में विभिन्न हाउसों के हेड और वाइस हेड का चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से करवाया गया, जिसमें अलग-अलग कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उम्मीदवारों को अपने मत देकर भाग लिया। स्कूल की प्रिंसिपल सुमन शर्मा ने विद्यार्थियों को अपने मतदान के अधिकार का सही और जिम्मेदारी से उपयोग करने के बारे में जागरूक किया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रत्येक हाउस के कैप्टन और वाइस कैप्टन का चयन निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से किया गया। इस अवसर पर स्कूल मैनेजर जसपाल सिंह देओल ने कहा कि मतदान प्रक्रिया के माध्यम से ही योग्य और निष्पक्ष नेतृत्व का चयन संभव होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों के महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया।इस दौरान कोऑर्डिनेटर नरेंद्र कौर और समस्त स्टाफ ने अपनी ड्यूटी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निभाई, जिससे चुनाव प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

अग्रसेन भवन में आज लगाया जाएगा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

करनाल, 25 अप्रैल (संदीप रोहिला) : अग्रकुल सेवा संस्था की ओर से 26 अप्रैल को महाराजा अग्रसेन भवन सेक्टर आठ में लगाए जाने वाले मेगा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कैंप सुबह ठीक 10 बजे शुरू हो जाएगा, जिसमें स्पाइन एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. समर्थ मित्तल, हृदय रोग विशेषज्ञ डा. आशीष अग्रवाल, पेट व आंतों से संबंधित विशेषज्ञ डा. अंकुर जैन व स्त्री रोग एवं कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. सरिता कुमारी लोगों के स्वास्थ्य की जांच करेंगे। ब्लड प्रेशर, ईसीजी, ब्लड शूगर, बीएमडी, मेमोग्राफी टैस्ट व फाइबरो स्कैन जांच की व्यवस्था रहेगी। संस्था के प्रधान विनोद गुप्ता ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक जगमोहन आनंद और मेयर रेणु बाला गुप्ता शिरकत करेंगे। कैंप की पूर्व संध्या पर विशेष बैठक का आयोजन अग्रसेन भवन में किया गया। संस्था के सभी पदाधिकारी और सदस्य मीटिंग में मौजूद रहे। प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर रामकुमार गुप्ता ने कहा कि कैंप में स्वास्थ्य जांच करवाने वाले लोगों को पंजीकरण करवाना जरूरी है। अभी तक लगभग 250 लोग रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। कैंप वाले दिन मौके पर भी रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि संभावना है कि शिविर में 500 से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। प्रधान विनोद गुप्ता ने कहा कि संस्था की ओर से कैंप को लेकर विशेष प्रचार अभियान चलाया गया। संस्था के सदस्यों ने सुबह-सुबह पार्कों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जाकर लोगों को कैंप में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल द्वारका दिल्ली का कैंप में विशेष सहयोग रहेगा। इस अवसर पर प्रधान विनोद गुप्ता, महासचिव नरेश गर्ग, कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता, प्रोजेक्ट डायरेक्टर रामकुमार गुप्ता व पूर्व प्रधान डा. एसके गोयल आदि मौजूद रहे।

महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य पर सेमिनार आयोजित

सफीदों, 25 अप्रैल (एस. के. मित्तल) : नगर के राजकीय महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. सविता पुनिया ने की। वहीं मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. जयविंद्र शास्त्री ने शिरकत की। सेमिनार में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विषय से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे। जिसका मुख्य वक्ता डा. जयविंद्र शास्त्री ने जवाब दिया। अपने संबोधन में डॉ. शास्त्री ने बताया कि वर्तमान समय में विद्यार्थी पढ़ाई, प्रतियोगिता और सामाजिक अपेक्षाओं के दबाव में आकर मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। कई बार यही दबाव गंभीर रूप ले लेता है और बच्चे आत्महत्या जैसे कदम उठा लेते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को तनाव से बचने के लिए सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन, संवाद और योग-ध्यान जैसे उपाय अपनाने की सलाह दी।

इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. सविता पुनिया ने कहा कि युवावस्था में भावनात्मक उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में नियंत्रित करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को बिना अनावश्यक दबाव के अपने लक्ष्य निर्धारित करने, अभिभावकों व शिक्षकों से खुलकर संवाद करने तथा मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

अब नहीं बर्बाद होगी नरवाना की फसल,एस टी पी प्रोजेक्ट शुरू होने से 6 गांवों को बड़ी राहत : बिट्टू नैन

नरवाना, 25 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : नरवाना क्षेत्र के किसानों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। लंबे समय से शहर के दूषित पानी से जूझ रहे करीब आधा दर्जन गांवों को अब राहत मिलने जा रही है। जननायक जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता बिट्टू नैन ने बताया कि नरवाना एसटीपी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से धनोरी ड्रेन तक पानी की निकासी व्यवस्था विधिवत रूप से शुरू हो गई है जिससे अब खेतों में गंदा पानी जमा नहीं होगा और फसलों की बर्बादी पर रोक लगेगी। बिट्टू नैन ने इसे क्षेत्रवासियों के लिए खुशी का दिन बताते हुए कहा कि वर्षों से नरवाना शहर का दूषित पानी खेतों में भर जाता था जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता था। अब इस समस्या का स्थायी समाधान हो गया है और आने वाले समय में फसलें सुरक्षित रहेंगी। उन्होंने इस परियोजना के लिए हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत सिंह चौटाला का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने चार वर्ष पूर्व आमजन की इस गंभीर समस्या को समझते हुए इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाई थी। साथ ही उन सभी साथियों के प्रयासों की सराहना की जिन्होंने लगातार इस मुद्दे को उठाकर समाधान तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। बिट्टू नैन ने विशेष रूप से इस्माइलपुर के दिलबाग सिंह मोर, धरोदी के शमशेर सिंह नैन, पूर्व लेक्चरर किताब सिंह मोर, महावीर सिंह बनवाला, पूर्व नगर पार्षद कृष्ण मोर, सोनू ढिल्लों, सर्वजातीय खाप नरवाना के प्रधान राजवीर मोर, कृष्ण धरोदी व रघुवीर धरोदी, पत्रकारों सहित अन्य साथियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इन सभी को आने वाले समय में सामूहिक रूप से सम्मानित भी किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों और मीडिया का भी धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके सहयोग और सक्रिय भूमिका के कारण यह परियोजना धरातल पर साकार हो पाई। यह प्रोजेक्ट क्षेत्र के किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर आया है और खेती को नुकसान से बचाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

गत दिवस तक जिले में हुई 6 लाख 60 हजार 796 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद : डीसी अपराजिता

कैथल, 25 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने बताया कि जिला में विभिन्न एजेंसियों द्वारा वीरवार तक 6 लाख 60 हजार 796 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद गई है। जिले में गेहूं की कुल आवक में से दो लाख सात हजार 696 मीट्रिक टन गेहूं खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा, दो लाख 90 हजार 700 हैफेड द्वारा तथा एक लाख 62 हजार 400 मीट्रिक टन गेहूं हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा खरीदा गया है। उन्होंने बताया कि अगोंध मंडी में 7400 मीट्रिक टन, अरनोली मंडी में 6095 मीट्रिक टन, बाबा लदाना में 18136 मीट्रिक टन, बडसिकरी खुर्द में 10940 मीट्रिक टन, बलबेहड़ा मंडी में 3446 मीट्रिक टन, बालू मंडी में 12859 मीट्रिक टन, बरटा मंडी में 8650 मीट्रिक टन, बाउपुर में 1440 मीट्रिक टन, भागल में 8442 मीट्रिक टन, भुसला में 6265 मीट्रिक टन, चीका मंडी में 41011 मीट्रिक टन, चीका अतिरिक्त मंडी 59652 मीट्रिक टन, डीग मंडी में 3118 मीट्रिक टन, धनोरी में 10362 मीट्रिक टन, फर्श माजरा में 3385 मीट्रिक टन, गोहरा में 7585 मीट्रिक टन, गुहणा में 2130 मीट्रिक टन, हाबड़ी मंडी में 7833 मीट्रिक टन, जाखोली मंडी में 10287 मीट्रिक टन, कैलरम में 6698 मीट्रिक टन, कैथल पुरानी मंडी में 7142 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई। इसके तरह कैथल नई अनाज मंडी में 50911 मीट्रिक टन, कैथल अतिरिक्त नई अनाज मंडी में 62091 मीट्रिक टन, कलायत अनाज मंडी में 62931 मीट्रिक टन, कमहेड़ी में 1487 मीट्रिक टन, कांगथली में 8724 मीट्रिक टन, करोड़ा में 10649 मीट्रिक टन, क्योड़क मंडी में 8791 मीट्रिक टन, किठाना में 23606 मीट्रिक टन, पाडला में 7053 मीट्रिक टन, पाई में 19788 मीट्रिक टन, राजौंद अनाज मंडी में 22300 मीट्रिक टन, रामथली मंडी में 19403 मीट्रिक टन, रसीना में 6356 मीट्रिक टन, सजूमा मंडी में 3341 मीट्रिक टन, सांगण में 5850 मीट्रिक टन, सेरधा में 6406 मीट्रिक टन, सीवन में 17794 मीट्रिक टन, सोलू माजरा साइलो में 80439 मीट्रिक टन गेहूं खरीद की गई। डीसी अपराजिता ने किसानों से आह्वान किया कि वे गेहूं अवशेषों में आग न लगाएं, क्योंकि इससे जान और माल काफी नुकसान होने की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा जमीन की उर्वरा शक्ति कमजोर होती हैं।

कार ने बाईक को मारी टक्कर-युवक घायल

सफीदों, 25 अप्रैल (एस. के. मित्तल) : सफीदों में घटित हुए एक सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस संबंध में थाना सदर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पानीपत जिले के गांव सिंक निवासी रजत ने कहा कि 16 अप्रैल की दोपहर को वह मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने गांव सिंक की ओर जा रहा था। जब वह खरखड़ा के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रही एक कार चालक ने लापरवाही और तेज रफ्तार से वाहन चलाते हुए उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रजत सड़क पर गिरकर घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल युवक को संभाला और उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। शिकायत के आधार पर अज्ञात कार चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि वाहन नंबर के आधार पर आरोपी चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

सिख विरासत को समर्पित पुस्तक ब्रह्मांडी अधिकारों के वणजारे कालका को भेंट

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (निस) सरदार हरमीत सिंह कालका, अध्यक्ष दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने जानकारी देते हुए बताया कि आज डॉ. मनप्रीत सिंह, संपादक द्वारा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कार्यालय में विशेष रूप से पुस्तक ब्रह्मंडी अधिकारों के वणजारे (गुर इतिहास - सिंह सूरमे) भेंट की गई। उन्होंने कहा कि यह महान रचना प्रसिद्ध लेखक राजिंदर सिंह जाली द्वारा लिखी गई है, जो सिख कौम की महान विरासत, गुरु साहिबानों की अद्वितीय महिमा और सिंह सूरमाओं की अद्भुत बहादुरी को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक न केवल एक ऐतिहासिक दस्तावेज है, बल्कि सिखी के सिद्धांतों और आदर्शों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने वाला प्रेरणादायक माध्यम भी है। सरदार कालका ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनाएं हमारे सिख युवाओं को अपने धर्म और इतिहास से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। उन्होंने कहा कि समय की आवश्यकता है कि सिख इतिहास और विरासत से संबंधित प्रामाणिक जानकारी नई पीढ़ी तक प्रभावशाली तरीके से पहुंचाई जाए। अंत में सरदार हरमीत सिंह कालका ने वाहेगुरु जी से अरदास की कि यह पवित्र पुस्तक हर घर तक पहुंचे और सिखी के मूल सिद्धांतों से नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए प्रेरणा का स्रोत बने।

हरियाणवी अभिनेत्री दिव्यांका की अचानक मौत से फैंस में शोक, दे रहे श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (निस) हरियाणवी अभिनेत्री दिव्यांका सिरोही के निधन के बाद सनसनी मची गई है।21 अप्रैल को 30 साल की दिव्यांका ने आखिरी सांस ली। उनके यूं अचानक दुनिया छोड़ जाने से उनका परिवार सदमे में है। फैंस में भी शोक की लहर है। इस बीच अभिनेत्री का एक पुराना पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे उनका आखिरी पोस्ट माना जा रहा है।

इस पोस्ट में दिव्यांका सिरोही को पहाड़ों में देखा जा सकता है। वह जैकेट पहने और सिर पर स्टॉल बांधे हैं। इससे उन्होंने अपना आधा चेहरा छिपा रखा है। पोस्ट के वायरल होने के कारण दिव्यांका की फोटो नहीं, बल्कि इसका कैप्शन है। उन्होंने इस कैप्शन में लिखा था- पीओवी- शिव मुझे अपने साथ ले चलो। अब इस पोस्ट को देख यूजर्स का कहना है कि एक्ट्रेस की लिखी बात सच हो गई। बता दें ये पोस्ट असल में दिव्यांका की आखिरी पोस्ट नहीं है। ये फोटो एक्ट्रेस दिव्यांका ने 9 जून 2023 को शेयर की थी। तस्वीर के साथ उन्होंने लोकेशन भी डाली है। दिव्यांका केदारनाथ घूमने गई थीं। यहां उन्होंने भगवान शिव के दर्शन किए थे। एक्ट्रेस की असली आखिरी पोस्ट उनका एक डांस वीडियो है। इसमें वह ब्लू फ्लोरल प्रिंट वाला व्हाइट लहंगा-चोली पहने नजर आ रही हैं। इस स्लो मोशन वीडियो में एक्ट्रेस अपने आउटफिट संग फिगर को फ्लॉन्ट कर रही थीं। उनका लुक काफी प्यारा था, जिसकी तारीफ फैंस ने की थी। अब इसी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में दिव्यांका की अचानक हुई मौत का मातम पसरा है। सभी उनकी आत्मा की शांति के लिए दुआ कर रहे हैं।

गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन में दिव्यांका सिरोही रहती थीं। घर में उनकी अचानक तबीयत बिगड़ी और वो चक्कर खाकर गिर पड़ीं और उनका निधन हो गया। 22 अप्रैल की सुबह दिव्यांका का अंतिम संस्कार उनके होमटाउन में किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में खोलनी होगी ओपन जेल सरकार को हाई कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) ओपन जेल बनाने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए निर्देशों को लागू करने का दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली सरकार को निर्देश दिया। मामले को जनहित याचिका के तौर पर लेकर मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने दिल्ली सरकार से कहा कि ओपन जेल के लिए एक प्रोटोकॉल बनाने और उन कैदियों की पहचान करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को लागू करने की रणनीति तैयार करें, जिन्हें वहां स्थानांतरित किया जा सकता है। पीठ ने साथ ही मामले पर दिल्ली सरकार को हलफनामा दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार इसमें 26 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्योरा हो। पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार, हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूट (ओसीआई) के प्रबंधन के लिए एक निगरानी समिति बनानी होगी। इसकी अध्यक्षता राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष या उनके किसी प्रतिनिधि द्वारा की जाएगी। पीठ ने दिल्ली सरकार को कहा कि गृह सचिव को सूचित करें कि उन्हें समिति का गठन करना चाहिए और उस समिति को बैठक करके सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने के लिए विशिष्ट रणनीतियां बनानी चाहिए। पीठ ने कहा कि दिल्ली सरकार को उन कैदियों की पहचान करनी होगी जिन्हें ओपन जेल में स्थानांतरित किया जा सकता है।

40 साल पहले किया था पत्नी का मर्डर 84 की उम्र में अब दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) ईस्ट दिल्ली के शकरपुर में 1986 में हुए एक सनसनीखेज हत्याकांड का कोई भी आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका था। आखिरकार क्राइम ब्रांच को अब आरोपी पति चंद्रशेखर प्रसाद (84) को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली। वह पत्नी की हत्या करने के बाद करीब 40 साल से लगातार फरारी काट रहा था। इसे पुलिस ने नॉर्थ वेस्ट जिले के नंगली पूना इलाके में स्थित एक फैक्ट्री के स्टोर रूम से दबोचा, जहां यह पहचान छिपा कर रह रहा था। चंद्रशेखर प्रसाद 1969 में दिल्ली आया, जो एक नामी अखबार में कपोजर था। मृतका से 1971 में शादी की और परिवार के साथ शकरपुर क्षेत्र में रहने लगा। कुछ साल बाद नौकरी छोड़ कर रद्दी का कारोबार करने लगा, जिससे अच्छी आमदनी होने लगी। बिजनेस बढ़ा तो दो नौकर भी रख लिए। इस दौरान पत्नी पर शक करने लगा तो दोस्तों के साथ मिल कर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अन्य आरोपी अब मर चुके है, जबकि चंद्रशेखर की उम्र भले ही हो गई है, लेकिन वह अभी खुद ही चल-फिर सकता है।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।

PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

दिल्ली के जीटीबी अस्पताल का नर्सिंग हेल्पर समीर खान आतंकी गतिविधियों में गिरफ्तार

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) सीमापुरी की सनलाइट कॉलोनी में रहने वाले समीर खान को उत्तर प्रदेश की एटीएस ने आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप गिरफ्तार किया है। समीर पिछले दो वर्षों से जीटीबी अस्पताल में अस्थायी रूप से नर्सिंग अर्दली (एनओ) के रूप में नौकरी कर रहा था। समीर की गिरफ्तारी की भनक क्षेत्र के लोगों को नहीं है। समीर की गिरफ्तारी के बाद से दिल्ली पुलिस क्षेत्र में सक्रिय हो गई है। समीर अपने परिवार के साथ सनलाइट कॉलोनी में रहता है। परिवार में बुजुर्ग पिता हनीफ खान, पैरों से दिव्यांग मां व एक छोटी बहन है। हनीफ ने बताया कि 21 अप्रैल को समीर घर पर था। उसके पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आया कि पार्सल आया है, सीमापुरी रोड से आकर ले जाओ। उसने घर में पार्सल के बारे में पूछा तो सबने मना कर दिया कि किसी ने पार्सल नहीं मंगाया। फिर भी समीर पार्सल लेने चला गया। जब वह काफी देर तक नहीं लौटा तो परिवार ने फोन किया। उसका नंबर बंद आने लगा। इसके बाद बहन सीमापुरी थाने गई और सूचना दी उसका भाई संदिग हालत में गायब हो गया है। 22 अप्रैल को सीमापुरी थाना ने सूचना दी समीर को उत्तर प्रदेश पुलिस ने आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) पर कस्टम विभाग ने बैंकॉक से होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कस्टम अधिकारियों ने दो अलग-अलग उड़ानों से लाया गया लगभग 27.5 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा बरामद किया है। इस मामले में चार भारतीय यात्रियों को कस्टम विभाग ने गिरफ्तार किया है। पहले मामले में बैंकॉक से दिल्ली आई उड़ान संख्या टीजी-331 की सुरक्षा जांच के दौरान एयरलाइन स्टाफ को विमान के भीतर लावारिस हालत में दो ट्रॉली बैग मिले। टर्मिनल-3 के आगमन हॉल में कस्टम अधिकारियों ने जब इनकी एक्स-रे स्क्रीनिंग की तो उसमें संदिग्ध तस्वीरें नजर आईं। इसके बाद दोनों ट्राली बैग को खोलकर जब जांच की गई, तो उसमें पॉलिथीन के 19 पाउच में उच्च गुणवत्ता वाला 18.57 किलोग्राम गांजा मिला। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 18.57 करोड़ रुपये आंकी गई है। फिलहाल पुलिस उन यात्रियों की पहचान करने में जुटी है, जिन्होंने पकड़े जाने के डर से यह बैग विमान में ही छोड़ दिया था। वहीं, दूसरा मामला 21 अप्रैल को बैंकॉक से ही आई एक अन्य उड़ान एआई-2333 से गांजा लाने का है। कस्टम अधिकारियों ने जब इस उड़ान से उतरे चार भारतीय यात्रियों को ग्रीन चैनल पर रोककर उनके तीन ट्राली बैग की तलाशी ली तो उसमें पॉलिथीन के नौ पैकेट बरामद हुए।

शव का हाल देख कांप उठा डॉक्टरों का कलेजा; होठों पर काटने और शरीर पर अनगिनत निशान

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) राजधानी दिल्ली में हुई खौफनाक वारदात ने हर किसी को हिला कर रख दिया है। एक आईआरएस अफसर की बेटी की ना सिर्फ हत्या की गई बल्कि उसके शरीर पर दरिंदगी की सारी हदें पार कर दी गईं। वहीं, शव की हालत देखकर पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टरों का भी कलेजा कांप उठा। पुलिस सूत्रों की मानें तो शरीर पर मिले चोट के अनगिनत निशान और नाक की टूटी हड्डी को देखने के बाद पोस्टमॉर्टम हाउस में मौजूद डॉक्टर ने कहा कि ये तो हैवानियत की हद है। ऐसे दुष्कर्मी के लिए तो हर सजा कम होगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में युवती के हाथों, होठों और चेहरे पर काटे जाने के निशान भी मिले हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पीड़िता की मौत गला घोटने से होने की पुष्टि हुई है। उसके शरीर पर संघर्ष व हमले के गहरे निशान मिले हैं। उसके दोनों हाथों, पैरों और हथेलियों पर कई खरोंचें और चोट के निशान थे। इससे पता चलता है कि घटना के दौरान युवती ने खुद को बचाने के लिए काफी देर तक संघर्ष किया। आरोपी जब काबू नहीं कर सका तो उसने गला कसा और बेहोशी की हालत में दुष्कर्म किया। गले की अंदरूनी जांच में रक्तस्राव मिला और थायरायड कार्टिलेज के दोनों हॉर्न टूटे मिले, जबकि हायोइड हड्डी सुरक्षित पाई गई। राहुल गांव में खाली समय में दिनभर यानी 12 से 13 घंटे तक दोस्तों संग ऑनलाइन लूडो और तीन पत्ती वाला जुआ खेलता था। उसे गेम की लत लग गई थी। गेम में कुछ समय से वह हार ही रहा था जिससे कर्ज बढ़ गया था। कर्ज चुकाने को उसे पैसे को जरूरत थी। इसलिए लूटपाट के इरादे से आईआरएस अफसर के घर पहुंचा था। इसी दौरान उसने आईआरएस की बेटी की हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

आप ने अंकुश नारंग को फिर सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) आप पार्षद व एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग को फिर से नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी मिली है। आप ने नारंग पर लगातार दूसरे वर्ष भरोसा जताया है। आप के विपक्ष में आने के बाद नारंग को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया था। दोबारा जिम्मेदारी मिलने पर नारंग ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का आभार जताया है। अंकुश नारंग ने कहा कि आप ने पिछले वर्ष भी एमसीडी में विपक्ष में रहते हुए मजबूत और सकारात्मक भूमिका निभाई है। यह जिम्मेदारी मेरे लिए सिर्फ एक पद नहीं, बल्कि जनता के विश्वास का प्रतीक है। अंकुश नारंग ने कहा कि दिल्ली ने देखा होगा कि जब भाजपा विपक्ष में थी, तो ढाई साल तक सदन चल ही नहीं पाया था। सदन सुचारु रूप से चले, यह केवल सत्ता पक्ष पर निर्भर नहीं करता, बल्कि विपक्ष पर भी निर्भर करता है कि वह कितने सकारात्मक तरीके से जनता की आवाज उठाता है और काम कराता है।

बीजेपी ने प्रवेश को मेयर और मोनिका पंत को डिप्टी मेयर पद के लिए उतारा

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (निस) दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव को लेकर सियासी तस्वीर करीब साफ होती दिख रही है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मेयर पद के लिए अनुभवी नेता प्रवेश वाही को उम्मीदवार बनाया है, जबकि डिप्टी मेयर पद के लिए मोनिका पंत को मैदान में उतारा गया है। खास बात यह है कि आम आदमी पार्टी (आप) ने इस बार मेयर पद के लिए अपना उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है, जिससे बीजेपी की जीत करीब तय मानी जा रही है।

59 वर्षीय वाही वर्तमान में एमसीडी सदन में 'नेता सदन' की भूमिका निभा रहे हैं और निगम की कार्यप्रणाली में उनका लंबा अनुभव रहा है। उन्होंने 1984 में दिल्ली यूनिवर्सिटी के शिवाजी कॉलेज से स्नातक किया था। उनकी प्रशासनिक समझ और संगठनात्मक पकड़ को देखकर पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

आंकड़ों के अनुसार मेयर बनने के लिए 137 वोटों की जरूरत होती है, जबकि कुल 273 वोट डाले जाएंगे। इसमें 249 पार्षद, 10 सांसद और 14 मनोनीत विधायक शामिल हैं। बीजेपी के पास 123 पार्षद हैं और बीजेपी को सांसदों व विधायकों का समर्थन मिलने की संभावना है, जिससे उसका पलड़ा भारी हो जाता है। दूसरी ओर, आप के पास 100 पार्षद होने के बावजूद उम्मीदवार न उतारने का फैसला राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। इसके अलावा इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के 15 और कांग्रेस के 9 पार्षद हैं। बीजेपी ने संगठनात्मक स्तर पर भी कई अहम फैसले लिए हैं। जय भगवान यादव को स्थायी समिति का सदस्य और सदन का नेता बनाया गया है, जबकि मनीष चड्ढा को भी समिति में जगह दी गई है। वहीं, आप की ओर से जलज कुमार चौधरी ने स्थायी समिति सदस्य पद के लिए नामांकन किया है। बात दें कि मेयर और डिप्टी मेयर पद के लिए मतदान 29 अप्रैल को होना है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज का कहना है कि उनकी पार्टी बीजेपी को काम करने का मौका देना चाहती है, ताकि जनता उनकी कार्यशैली का मूल्यांकन कर सके।

हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस रणनीति ने बीजेपी के लिए सत्ता का रास्ता काफी आसान बनाया है।

दिल्ली और देहरादून एक्सप्रेसवे से चार लेन का बाईपास जुड़ेगा 12 किलोमीटर होगी लंबाई

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाने और शहर में यातायात की भीड़ को कम करने के उद्देश्य से दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे को जोड़ने वाले 12 किलोमीटर लंबे फोर लेन के नए बाईपास का निर्माण कर रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ाने और शहर में यातायात की भीड़ को कम करने के उद्देश्य से दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे को जोड़ने वाले 12 किलोमीटर लंबे चार लेन के नए बाईपास का निर्माण कर रहा है। एनएचएआई ने एक बयान में कहा कि यह परियोजना झाझरा से शुरू होकर राष्ट्रीय राजमार्ग-7 के पोंटा साहिब-बल्लूपुर खंड को जोड़ेगी और देहरादून जिले में आशारोड़ी सीमा चौकी के पास दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे से मिलेगी। करीब 716 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में अब तक 44 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसे अप्रैल 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। एनएचएआई ने बयान में कहा कि यह पूरी तरह नियंत्रित प्रवेश वाला राजमार्ग होगा, जो वैकल्पिक मार्ग के रूप में काम करेगा और देहरादून शहर के अंदर जाने वाले यातायात को मोड़कर सेलाकुई औद्योगिक क्षेत्र, विकासनगर, हरबर्टपुर और पोंटा साहिब की ओर भेजेगा। छह लेन वाला 213 किलोमीटर लंबा दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा 12,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाया गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह गलियारा दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से होकर गुजरता है और इससे दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा का समय छह घंटे से घटकर लगभग ढाई घंटे का हो जाएगा।

दिल्ली सरकार की सख्ती बिना पीयूसीसी पेट्रोल लेने पहुंचे तो हो सकता है चालान

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सरकार ने एक और सख्ती शुरू कर दी है। अब बिना प्रदूषण नियंत्रण सर्टिफिकेट (पीयूसीसी) के वाहन लेकर पेट्रोल या डीजल लेने पेट्रोल पंप पर पहुंचे तो भारी भरकम चालान हो सकता है। दिल्ली में प्रदूषण को लेकर सरकार ने एक और सख्ती शुरू कर दी है। अब बिना पीयूसीसी के वाहन लेकर पेट्रोल या डीजल लेने पेट्रोल पंप पर पहुंचे तो भारी भरकम चालान हो सकता है। दिल्ली सरकार की सख्ती के बाद पेट्रोल पंप पर निगरानी बढ़ा दी गई है। अब पेट्रोल पंप पर तेल लेने पहुंचने वालों की पीयूसीसी की जांच की जा रही है। दिल्ली के सभी पेट्रोल पंप पर लगे एएनपीआर कैमरों और अनाउंसमेंट सिस्टम को सक्रिय कर दिया गया है। गुरुवार को दिल्ली के आनंद विहार, गाजीपुर, विकास मार्ग, आईपी एक्सटेंशन समेत कई पेट्रोल पंप पर सरकार के निर्देशों का पालन कर सख्ती बढ़ी हुई नजर आई। दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के महासचिव बिबेक बनर्जी ने बताया कि पेट्रोल पंप पर आने वाले वाहनों को ईंधन देने से पहले अनिवार्य रूप से पीयूसीसी की जांच की जा रही है। वैध पीयूसीसी मिलने पर ही ईंधन दिया जा रहा है।

बंगाल में जीत का दावा...सैनी

पृष्ठ एक का शेष ... व्यवस्थाएं हुबहू लागू की जाएंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में आयुष्मान चिरायु योजना के तहत अब तक 27 लाख से ज्यादा परिवारों ने ईलाज करवाकर स्वास्थ्य लाभ उठाया है। पंजाब में आप सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक बनाए थे, वे अब हल्ला क्लीनिक बन गए हैं। पंजाब की जनता अब इनसे अपना पिण्ड छुड़वाना चाहती है।एक अन्य जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डी ग्रुप के 18 हजार युवाओं के पदोन्नति के मामले को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। इसके लिए एक दिन का विधानसभा का सत्र बुलाया गया है। विपक्ष ने देश की आधी आबादी को धोखा दिया है। लोग इसकी निंदा कर रहे हैं। एक अन्य प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लॉ एण्ड ऑर्डर की स्थिति की सख्ती से मोनिटरिंग की जा रही है। यदि कोई ड्रग व नशा बेचते पाया जाता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। लोगों को नशा मुक्ति केन्द्रों में भेजकर नशे से निजात दिलाई जा रही है। इसके अलावा जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को नशे से सचेत किया जा रहा है। बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर जंयती पर 14 अप्रैल को पंचकूला में मैराथन का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य लोगों को नशे से दूर करना ही था।

मोहन भागवत...हुई पश्चिमी सोच से भारत को नहीं समझा जा सकता। नागरिकों को इस विदेशी विचारधारा की परतों को उतार फेंकना होगा। यदि हम अपने संकल्प के मुताबिक कदम दर कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए, लोगों को पहले भारत को गहराई से समझना होगा और फिर उसे अपने दैनिक जीवन में उतारना होगा। संघ प्रमुख ने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं व्यवहार में भारतीय परंपराओं से दोबारा जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें और सांस्कृतिक प्रथाएं।

सीएम भगवंत मान

पृष्ठ एक का शेष ...उन्होंने इसी कड़ी का हिस्सा बताया। मीत हेयर ने कहा कि अमित शाह लगातार आप नेताओं को डराकर पार्टी तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा भूल रही है कि आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सिद्धांतों के पक्के हैं। दिल्ली में भी इन्होंने पूरी कोशिश की थी, लेकिन हमारे नेता झुके नहीं। सतेंद्र जैन और मनीष सिसोदिया को कई ऑफर दिए गए, लेकिन वे जेल जाना मंजूर कर गए पर भाजपा के आगे घुटने नहीं टेके। सांसद ने सुनील जाखड़ और रवनीत बिट्टू को आड़े हाथों लेते हुए हेयर ने कहा कि वे पंजाब के इतिहास और सिखों के सिद्धांतों को जानते हैं। पंजाब वह कौम है जो सूखे पत्ते खाकर भी युद्ध लड़ना जानती है, लेकिन झुकना नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा जितना डराएगी, पंजाब में उसका उतना ही ज्यादा नुकसान होगा। 90त्न कुर्बानियां देने वाले पंजाबी जेलों और मुकदमों से नहीं डरते।

केजरीवाल की राह-का दामन थाम लिया है। इस घटनाक्रम ने न केवल दिल्ली और पंजाब की राजनीति में हलचल मचा दी है, बल्कि पार्टी के आंतरिक ढांचे को भी झकझोर कर रख दिया है। राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बड़े फैसले का ऐलान किया, जबकि चार अन्य सांसदों के समर्थन के साथ उन्होंने पार्टी से अलग होने की पुष्टि की।

इस बगावत में सबसे चौंकाने वाले नाम संदीप पाठक और अशोक मित्तल के हैं। संदीप पाठक को अरविंद केजरीवाल का बेहद करीबी और पार्टी का प्रमुख रणनीतिकार माना जाता था। संगठन महासचिव और पंजाब प्रभारी के रूप में उन्होंने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई थी। सूत्रों के अनुसार, पाठक पिछले कुछ समय से पंजाब में अपनी उपेक्षा से आहत थे। बताया जा रहा है कि केजरीवाल के साथ एक निजी मुलाकात में उन्होंने शिकायत की थी कि जिस पंजाब में उन्होंने दिन-रात एक करके पार्टी खड़ी की, अब वहां उन्हें संगठन में वह महत्व नहीं मिल रहा है। मनीष सिसोदिया की बढ़ती सक्रियता और केजरीवाल के सीधे दखल के बाद कई पुराने नेताओं को अपनी जमीन खिसकती महसूस हो रही थी।

दूसरी ओर, अशोक मित्तल का इस्तीफा रणनीतिक से ज्यादा व्यक्तिगत कारणों से प्रेरित माना जा रहा है।